जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, रविवार 31 अगस्त, 2025

KEDIA™
Pavitra

DIRECT TO RETAILER

DIRECT TO CUSTOMER

FREE & FAST DELIVERY

KEDIA Pavitra → ~~C&F~~ → ~~Super Stockist~~ → ~~Wholesaler~~ → ~~Distributor~~ → Retailer

• No Middle Men • No Milawat

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

BESAN	DESHI CHAKKI AATA	SHARBATI WHEAT	DESHI WHEAT	SHARBATI SUPERIOR AATA	WHEAT DALIA	SUJI (SEMOLINA)
500 g MRP ₹ 70	5 kg MRP ₹ 250	10 kg MRP ₹ 650	10 kg MRP ₹ 450	5 kg MRP ₹ 350	500 g MRP ₹ 40	500 g MRP ₹ 40

T&C Apply.

ALSO LAUNCHING

RICE • WHOLE SPICES • POWDER SPICES • PULSES • EDIBLE OILS • DRY FRUITS • BREWS • SWEETENERS

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

ORDER ON CALL
1800-120-2727

ORDER ON WHATSAPP

विचार बिन्दु

विद्या के अलावा और कोई ज्ञान नहीं है। –थामस फुलर

वनानुभव

प्रकृति-अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर-औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2022 में प्रकाशित शोध को समाहित कर आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि. 2/3, 26-30, च.चि. 4.106-109; च.वि. 6.17, सु.उ. 47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर-अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों का एक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानव और संसार एक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयंलोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा-सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयोः सामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोकेसममनुपश्यतः सत्या बुद्धिः समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायोहि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छीनिद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है। वनानुभव-चिकित्सा (वनों में घूम-फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय. चे इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग-अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

> **चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है।**

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिसमें प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुयेशेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजसरुएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11: ई 469-ई477, 2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर 1.19 करोड़ (11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी लाने के ठोस प्रमाण मेटा-एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटेरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन, 20(1):337-361, 2022)। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर-औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)। रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन-आधारित गैर-औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. कांग इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकड़ों को लेकर की गई मेटा-एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन-स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायास्टोलिक और सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 817: 152513,2022)

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वनानुभव और प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदिसब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुड़े रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष....

सत्ता के प्रत्येक केन्द्र पर स्थापित

रामनिवास बैरवा

सौ साल पहले का इतिहास बहुत लम्बा है। इसे इतिहासकार, ऐतिहासिक विरासतों के विश्लेषक, आलोचक, प्रत्यालोचक अपने-अपने दृष्टिकोण से लिखते हैं। कई विजेताओं का इतिहास लिखते हैं, कई पराजयों का इतिहास लिखते हैं, कोई पीड़ित होकर इतिहास लिखता है। पर है सभी इतिहास के अनिवार्य घटक। सौ साल पहले अंग्रेजों का राज था भारत पर। इस कारण जो पीड़ित रहे उन्हें आजादी चाहिए थी, जो पीड़ितों से पीड़ित रहे उन्हें भी आजादी चाहिए थी।

सौ साल पहले ही एक महायुद्ध हुआ था। उसी महायुद्ध के बीच एक व्यक्ति को भारत में भेजा गया इन सबके बीच समन्वय बैठाने के लिए। जनवरी, 1915 में उस व्यक्ति के आने के बाद सबसे पहले, बिखरे नेतृत्व करने वालों में अपनी पैठ बनाने के लिए, अपनी भागीदारी में अप्रैल, 1915 के हरिद्वार कुम्भ में "हिन्दु महासभा" का गठन किया गया। यह प्रयास सबको एक करने के लिए था।

उस दौर में पीड़ितों का नेतृत्व बाल गंगाधर तिलक कर रहे थे, जो पीड़ितों से पीड़ितों के विरोधी थे। 1920 के नागपुर के कांग्रेस के अधिवेशन में उन्हें ही कांग्रेस का अध्यक्ष बनाना था, लेकिन उस अधिवेशन के चार महिने पहले ही उनका देहान्त हो गया था और गांधीजी नेतृत्व की कसौटी पर आ गये जिस पर उन्हें खरा उतरकर नेतृत्व सम्भालना था। नागपुर के अधिवेशन की तैयारियों में आस-पास के युवक सक्रिय थे बाल गंगाधर तिलक से काफी प्रभावित थे, जिनका केशव राव हेडगवार भी सक्रिय नेतृत्व कर रहे थे। मंच पर कुर्सियों के पीछे बाल गंगाधर तिलक का बहुत बड़ा चित्र लगाया गया था जो कि कसौटी का पैमाना था मुसलमानों को अलग-थलग करने का। और ऐसा ही किया गया। उस अधिवेशन में अपेक्षाकृत अधिक सीनियर और विद्वान कांग्रेसी मोहम्मद अली जिन्ना को अपमानित करके हमेशा के लिए कांग्रेस से अलग कर दिया गया था। अब बचे हिन्दुओं को ही कांग्रेस की निर्बाघ बागडोर मिल गई थी।

बाल गंगाधर तिलक ने अपनी नीतियों और गतिविधियों को ब्रिटिश सत्ता में भागीदारी के समान दावेदार मुसलमानों के खिलाफ केंद्रित किया, दलित सत्ता में भागीदारी के दौर में नहीं थे। इसी बात को लेकर अंग्रेज सरकार ने सवर्ण हिन्दुओं और मुसलमानों की अलग पहचान को केंद्रित करके फूट डाली। इसी विभेदकारी नीति को आगे चलकर पूंजीवादी राष्ट्रों की कम्युनिस्ट-विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय नीति के लिए इस्तेमाल किया गया। इस नीति के अनुसरण में सावरकर की हिन्दू-स्वराज एवं गांधीजी की हिन्द-स्वराज की अवधारणायें पनपी। इसी अवधारणा को भारतीय समाज में धरातल पर उतारने का काम 1920 से भारतीय राजनीति में शुरू हो चुका था। कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में स्वयं सेवकों के रूप में काम करने वालों ने 1923 में "हुबली सेवा मंडल" जिसे 1924 में "हिन्दुस्तानी सेवा मंडल" नाम दिया गया, बनाया। 1924 में बेलगाम के कांग्रेस अधिवेशन में गांधीजी कांग्रेस अध्यक्ष बनाये गये तब "हिन्दुस्तानी सेवा मंडल" का नाम "कांग्रेस सेवा दल" करके जवाहर लाल नेहरू को उसका अध्यक्ष बना दिया गया था।

हेडगवार वगैरह को नये लड़के नेहरू के अधीन काम करने और "कांग्रेस सेवा दल" से अपने उद्देश्यों की पूर्ति की आशा नहीं थी अतः गांधीजी से सलाह मशवरा करके एक अलग हिन्दू संगठन बनाने का विचार किया गया। लेकिन हिन्दू नाम हिन्दू महासभा पहले से ही थी, अतः कोई अन्य नाम पर विचार आवश्यक था। तब स्वयं सेवक के साथ राष्ट्रीय शब्द जोड़कर "राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ" नाम दिया गया। चूंकि तब तक सावरकर अंडमान से भारत में आ चुके थे और 1923 में "हिन्दुत्व के आवश्यक तत्व" प्रकाशित की जिसमें अब तक उनके द्वारा प्रयुक्त किये जा रहे शब्द 'भारतीय' के बदले 'हिन्दुत्व' शब्द को काम में लिया गया। यह भी ध्यान देने की बात है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में अनुशासित, आज्ञाकारी ही प्रमुखता पाते रहे हैं लेकिन सिद्धांतकार कोई भी नहीं हुआ, सिवाय दामोदर सावरकर के।

इस प्रकार कांग्रेस की कोख से जन्मी आर.एस.एस. के प्रमुख सिद्धांतकार सावरकर ही स्थापित है। गांधीजी की बाध्यता थी कि राजनीतिक कारणों से उन्होंने जवाहर लाल नेहरू को आगे किया, क्योंकि नेहरू अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अनुरूप छदम् समाजवाद से कम्युनिस्टों को भ्रमित कर सकते थे, और किया भी जिसकी वजह से आर.एस.एस. भी सावरकर को किसी पद पर नहीं ला सकी। सावरकर अपनी वरिष्ठता के स्व-आग्रह के कारण सामान्य या सहायक बनकर नहीं रहना चाहते थे। इसीलिए, अवसर मिलते ही हिन्दु महासभा का अध्यक्ष पद लिया।

"डिस्कवरी ऑफ इण्डिया" लिखने वाले नेहरू को तो प्रधानमंत्री पद मिला लेकिन वे प्रतिद्वंद्वी सावरकर को प्रतिबंधित करना नहीं भूले। "डिस्कवरी ऑफ इण्डिया" के जवाब में सावरकर ने "भारतीय इतिहास के छः सुनहरे खण्ड" 1963 में प्रकाशित करवाई। जिसमें उसने हिन्दुओं को पीड़ित-प्रताड़ित साबित किया। और उनकी मुक्ति के आक्रामक आख्यानों को हिन्दुओं की मुक्ति का मार्ग बताया। यही अन्ततः आर.एस.एस. के आगे के वर्षों में उसका मार्गदर्शक रहा है।

इसी स्थिति के परिप्रेक्ष्य में 1965 में लाल बहादुर शास्त्री के समय में सावरकर को नियमित पेंशन दी जाने लगी, इंदिरा गांधी ने उन पर डाक टिकिट जारी किया और बाद में भारतीय जनता पार्टी के सरकार बनाने पर सावरकर को गांधीजी के समकक्ष स्थापित करने का उद्यम चलाया जा रहा है क्योंकि अब आर.एस.एस. सत्ता के हरेक केंद्र में स्थापित हो चुकी है। इस प्रकार से आर. एस.एस. के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं।

- रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह: औपनिवेशिक विरासत से आधुनिक प्रासंगिकता तक

प्रो. अशोक कुमार

प्रो. गौरहरि बेहेरा

दीक्षांत समारोह, जो एक छात्र के शैक्षणिक जीवन का गौरवपूर्ण समापन होता है, आज अपनी प्रासंगिकता और उद्देश्य को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में है। ये समारोह केवल एक डिग्री प्रदान करने की औपचारिकता मात्र नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली की गहरी समस्याओं, उसकी औपनिवेशिक जड़ों और सामंती मानसिकता का प्रतीक बन गए हैं। इस बहस के दो मुख्य आयाम हैं: पहला, इन समारोहों की आंतरिक बनावट और उद्देश्य; और दूसरा, इनका आयोजन स्थल – विश्वविद्यालय परिसर अथवा अन्यत्र कोई स्थान।

औपनिवेशिक विरासत और सतही भारतीयकरण - आधुनिक काल में विश्वविद्यालयों में आयोजित दीक्षांत समारोहों की जड़ें मध्ययुगीन यूरोपीय विश्वविद्यालयों से जुड़ी हैं, जहाँ शिक्षा मुख्य रूप से धार्मिक ग्रंथों पर आधारित थी। इसके विपरीत प्राचीन भारतीय संस्कृति में गुरुकुलों में प्रदत्त शिक्षा प्रणाली के अनुरूप विद्यार्थी की शिक्षा पूर्ण होने के उपरांत समावर्तन अथवा स्नातक संस्कार आयोजित किए जाते थे। इस संस्कार में शिष्य को स्नान करवाने के पश्चात् नवीन वस्त्र धारण करने का नियम था जो विद्यार्थी जीवन से गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने का प्रतीक माना जाता था। अंत में गुरु अपने शिष्यों को उनके कर्तव्य एवं दायित्वों के निर्वहन हेतु एक उपदेश देते थे तत्पश्चात् गुरु दक्षिणा भेंट करते हुए इसका समापन किया जाता था। परंतु वर्तमान में इन समारोहों में धारण किए जाने वाले गाउन, जुलूस और उपाधियाँ दिए जाने की रीति सीधे तौर पर उस औपनिवेशिक काल की देन हैं, जब ब्रिटिश शासन ने भारत में अपनी शिक्षा प्रणाली स्थापित की थी।

आज, भारतीय विश्वविद्यालयों ने इस विरासत को भारतीय बनाने का प्रयास किया है, लेकिन यह बदलाव केवल सतही स्तर पर ही संभव हो पाया है। गाउन को भारतीय पोशाक से बदलना या संस्कृत के श्लोकों को शामिल करना इसके मूल स्वरूप को नहीं बदलता। यह एक सतही बदलाव है जो पारंपरिक औपनिवेशिक ढांचे को ही मजबूत करता है। यह दिखावा करता है कि हमने अपनी पहचान को अपनाया है, जबकि हम अभी भी उसी पुराने, थोपे गए मॉडल पर चल रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, दीक्षांत समारोहों में इस्तेमाल की जाने वाली अनेक शब्दावलियां जैसे–'आदेश,' 'प्रतिज्ञा,' और 'देवता' एक ऐसे पदानुक्रम को दर्शाते हैं जो आज के लोकतांत्रिक और समतावादी समाज की भावना के बिल्कुल विपरीत होकर एक सामंतवादी व्यवस्था व दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। ऐसे शब्द एवं इस प्रकार की भाषा का प्रयोग छात्रों को स्वतंत्र विचारक के बजाय आज्ञाकारी अनुयायियों के रूप में प्रस्तुत करती है, जो आधुनिक शिक्षा के सहयोगात्मक उद्देश्य के नितांत प्रतिकूल है।

मूल उद्देश्य से भटकाव

एक समय था जब कुछ विश्वविद्यालयों में दीक्षांत सप्ताह ज्ञान के आदान-प्रदान, विचार-विमर्श का मंच होता था, जहाँ ख्यातिलब्ध विद्वान और कलाकार एकत्रित होते थे। आज, प्रायः वित्तीय संसाधनों के अभाव के कारण यह अपना महत्व खो चुका है और केवल एक नीरस औपचारिकता बनकर रह गया है। दुखःद बात यह है कि कई मामलों में, ये समारोह अपनी मूल भावना से विमुख होकर प्रमुख विचारधाराओं से प्रभावित होने लगे हैं। यह दशा शिक्षा के आधारभूत सवालों व उद्देश्य से ध्यान भटकाने का कार्य करती है जो कि एक शुभ संकेत नहीं है।

आयोजन स्थलः परिसर अथवा अन्यत्र : इस वैचारिक बहस के साथ-साथ, एक व्यावहारिक मुद्दा भी है जो इन समारोहों के आयोजन हेतु स्थल के चुनाव से जुड़ा है।

विश्वविद्यालय परिसर के बाहरः सुविधा और भव्यता की तलाश – आजकल कई बड़े विश्वविद्यालयों में पर्याप्त जगह की कमी के कारण बाहरी कन्वेंशन सेंटर या स्टेडियम का उपयोग करना एक व्यावहारिक विकल्प बन गया है। इसके लाभ स्पष्ट हैं:–

विस्तृत स्थान और सुदृढ़ व्यवस्था – विशाल भीड़ को संभालने, पार्किंग और सुरक्षा के लिए ये स्थान अधिक सुविधाजनक होते हैं।

मौसम से बचावः बंद ऑडिटोरियम मौसम की अनिश्चितताओं से बचाते हैं।

प्रतिष्ठा और भव्यताः परिसर के अतिरिक्त किसी लोकप्रिय स्थल पर आयोजन से विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

परिसर के अंदरः भावनात्मक जुड़ाव का प्रश्न

हालांकि, परिसर के बाहर आयोजन में अनेक चुनौतियां एवं कमियां भी हैं। इनमें सबसे बड़ी कमी है भावनात्मक जुड़ाव। दीक्षांत समारोह का मुख्य उद्देश्य छात्र को उस स्थान से विदा करना है जहाँ उसने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए हैं।

परिसर के भीतर आयोजनः कम लागतः बाहरी स्थानों को किराए र लेने में भारी खर्च आता है, जिसका उपयोग छात्रों की शिक्षा को सुचारू बनाने में बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

भावनात्मक बंधनः यह छात्रों को अपने दोस्तों और शिक्षकों के साथ उन स्थानों पर तस्वीरें लेने का मौका देता है जहाँ उन्होंने शिक्षा ग्रहण की है और जिससे एक अविस्मरणीय स्मृति और अनुभव जुड़ा होता है।

पहचान और संस्कृतिः विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह उसकी पहचान और संस्कृति का अभिन्न अंग होता है। इसे परिसर से बाहर ले जाना इस भावना को कमज़ोर करता है।

निष्कर्षः एक नए और प्रासंगिक दृष्टिकोण की ओर : दीक्षांत समारोह को परिसर के भीतर आयोजित करना सबसे बेहतर माना जाता है, क्योंकि यह छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच के भावनात्मक बंधन को मजबूत करता है। लेकिन भव्यता के पीछे भागने और अनावश्यक खर्च करने के बजाय, हमें समारोह के मूल उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दीक्षांत समारोह सिर्फ डिग्री देने की औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारी शिक्षा प्रणाली में व्याप्त गहरी समस्याओं का एक प्रतीक है। यह समय है कि हम दीक्षांत समारोह की पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर एक नई और अधिक प्रासंगिक प्रणाली की ओर बढ़ें। हमें ऐसे विकल्प तलाशने चाहिएं जो छात्रों की बौद्धिक और रचनात्मक उपलब्धियों को सही मायने में सराहें, और जो आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप हों। यह बहस सिर्फ एक स्थान या किसी समारोह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा के भविष्य और उसके सही उद्देश्य को परिभाषित करने के विषय में है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विवि.; पूर्व विभागाध्यक्ष, राज. वि.वि., जयपुर।
और प्रोफ़ेसर गौरहरि बेहेरा
अंग्रेज़ी विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

रॉयल्टी ठेकेदार की मनमानी से व्यापारी परेशान

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना क्षेत्र में पत्थर कारोबार से जुड़े व्यापारियों की समस्याएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में 23 दिन लंबी हड़ताल के बाद व्यापारियों और रॉयल्टी ठेकेदार के बीच जो समझौता हुआ था, वह अब बेअसर होता नजर आ रहा है। ठेकेदार की मनमानी से व्यापारियों को एक बार फिर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बयाना औद्योगिक समिति के अध्यक्ष दिनेश सूपा ने बताया कि बयाना और पहाड़पुर क्षेत्र से निकलने वाला पत्थर इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। हड़ताल के बाद हुई वार्ता में कुछ अहम मुद्दों पर सहमति बनी थी, लेकिन अब फिर से उन्हीं समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया। इस मुद्दे पर कांग्रेस जिला महासचिव योगेश सिंघल ने भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृह जिला होने के बावजूद बयाना-पहाड़पुर क्षेत्र के व्यापारी रॉयल्टी ठेकेदार की मनमानी से त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को स्वयं हस्तक्षेप कर व्यापारियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। व्यापारियों ने औद्योगिक समिति के नेतृत्व में जिला प्रशासन से भी मुलाकात की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। व्यापारियों का कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे फिर से आंदोलन की राह पर जाने को मजबूर होंगे।

राशिफल रविवार 31 अगस्त, 2025

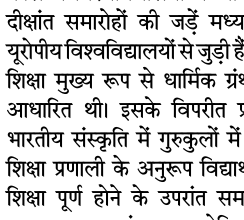

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र सायं 5:27 तक, वैधृति योग दिन 3:59 तक, विष्टि करण दिन 11:52 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा। **ग्रह स्थितिः** सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 11:52 तक है। आज दुर्गाष्टमी, राधाष्टमी, श्री दाधिच जयन्ती है। आज से महालक्ष्मी व्रत आरम्भ होगा। आज वैधृति पुण्य है। आज मेला भतृहरि 3 दिन का अलवर में है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:44 से 9:18 तक, लाभ-अमृत 9:18 से 12:27 तक, शुभ 2:02 से 3:36 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:45

मेष

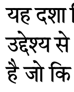

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष

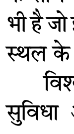

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

कर्क

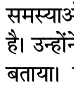

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

सिंह

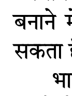

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

कन्या

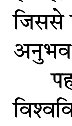

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज शुभ-मांगलिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है।

वृश्चिक

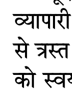

मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मनः स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

धनु

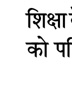

आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन

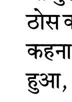

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज शुभ-धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 317 प्रभात कोटा, रविवार 31 अगस्त, 2025 कोटा/24/2012-14 मूल्य 2.50 रु.

''एस.आई. भर्ती'' रद्द करने पर गहलोत ने आखिरकार अपना मुंह खोला, पर संतुष्ट नहीं कर पाये

गहलोत ने कहा कि ''उनकी सरकार में एस.ओ.जी. में चीटिंग सैल बनाया गया था, जिसकी जांच में पेपरलीक का घोटाला उजागर हुआ।'' परंतु सत्य यह है कि, एस. आई. भर्ती-2021 में हुए पेपरलीक की जांच भजनलाल सरकार के कार्यकाल में एस.ओ.जी. को सौंपी गई थी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। आखिरकार, राजस्थान हाईकोर्ट के निर्णय देने के दो दिन बाद अशोक गहलोत ने मुंह खोला। गहलोत ने आज एक छुटपुट कॉन्फ्रेंस कर एस.आई. भर्ती परीक्षा- 2021 में हुए व्यापक पेपरलीक के विषय में बयान जारी किया। लेकिन इस कॉन्फ्रेंस की जानकारी कुछ चुनिंदा पत्रकारों को ही थी, और गहलोत ने भी इस बारे में ट्विटर पर केवल एक साढे चार मिनिट का वीडियो जारी किया है। पर इस वीडियो में आरोपों को लेकर गोलमोल जवाब ही दिया है, जिम्मेदारी लेने या तय करने के बजाय वसुंधरा सरकार के दौरान नियुक्त किए गये आरपीएससी

- **गहलोत कार्यकाल में दर्ज कराई गई 10 एफ.आई.आर. और बड़े पैमाने पर हुए पेपरलीक के आरोपों के कारण कई अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग उठाई थी, इसके बावजूद तत्कालीन सरकार ने उनकी नहीं सुनी।**
- **आर.पी.एस.सी. ने दिसंबर-2021 में लिखित परीक्षा तथा अप्रैल-2022 में शारीरिक परीक्षा का परिणाम जारी किया था।**
- **गहलोत ने अपने बयान में कहा कि, ''उनके कार्यकाल के दौरान शिक्षक ग्रेड-2 और वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा 2022 में पेपरलीक का मामला सामने आया था, जिस पर उन्होंने परीक्षा रद्द कर दी थी।'' परंतु सत्य यह है कि इन मामलों में दर्ज एफ.आई.आर. में जिस आर.पी.एस.सी. अधिकारी के लिप्त होने का आरोप था, उसके खिलाफ गहलोत कार्यकाल के पूरे 5 सालों में कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई।**

सदस्यों को ही आरोपी बताया है और स्वयं का पल्ला झाड़ने के लिए अपनी सरकार में 'चीटिंग' को रोकने के लिए उठाये गये कदमों का ढिंढोरा पीटा है।

अपने बयान में गहलोत ने कहा कि, उनकी सरकार के दौरान, वर्ष 2022 में हुई अध्यापक ग्रेड लेवल-2 और वरिष्ठ अध्यापक की भर्ती के पेपरलीक की जानकारी जैसे ही उन्हें मिली थी तो उनकी सरकार ने परीक्षा रद्द कर पुनः आयोजित करवाई थी। पर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

संसद में स्थापित होगा भगवान जगन्नाथ के रथ का पहिया

नई दिल्ली, 30 अगस्त। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुरी रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए रथों के तीन पहिये संसद परिसर में स्थापित करने के श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसजेटीए ने एक बयान में कहा, ''पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दौरे के दौरान प्रशासन ने संसद परिसर में रथों के तीन पहिये स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। बिरला ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।'' एसजेटीए के

- **लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया कि रथ यात्रा के तीनों रथों का एक-एक पहिया संसद में स्थापित किया जाए।**

मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ आज श्री जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु का आशीर्वाद लिया। हम माननीय अध्यक्ष के प्रति अत्यंत आभारी हैं कि उन्होंने रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए तीन रथों में से प्रत्येक रथ का एक पहिया संसद परिसर में एक प्रमुख स्थान पर स्थापित

(शेष पृष्ठ 5 पर)

रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के अनुसार ट्रम्प ने ''सैल्फ गोल'' किया है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अगस्त। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, जो शिकागो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में वित्त के प्रोफेसर हैं, ने भारत और अन्य देशों पर ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ़ को ''सैल्फ गोल'' कहा है। उनका कहना है कि वॉशिंगटन, जैसे भारत या चीन जैसे प्रतिस्पर्धियों पर वार करने की कोशिश कर रहा है, वह अंततः अपनी ही अर्थव्यवस्था को अधिक गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। उनका तर्क तीन प्रमुख पहलुओं में पर आधारित है।

पहला, टैरिफ़ घरेलू कीमतों को बढ़ाते हैं। जब अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत जैसे ऊंचे शुल्क लगाता है, तो उन आयातों की कीमत स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। अमेरिका में आयातक या तो इस उच्च कीमत को उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं या अपने खुद के मुनाफे को घटाकर इसे खुद वहन कर लेते कर लेते हैं। किसी भी स्थिति में, अमेरिकी घरों को वस्त्र, समुद्री भोजन, फर्नीचर या वस्त्र जैसे रोजमर्रा के सामान के लिए ज्यादा कीमतें देनी पड़ती हैं। चूंकि निम्न-आय वाले परिवार अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा ऐसे सामानों पर खर्च करते हैं, इसलिए उन पर सबसे ज्यादा बोझ पड़ता है। महंगाई का यह प्रभाव खुद को ही पराजित करता है। क्योंकि यह उसी क्रय

- **उदाहरण के लिए, भारी टैरिफ लगाने से अमेरिका में रोजमर्रा का सामान, टैक्सटाइल्स, सी-फूड, फर्नीचर आदि महंगे हो जायेगें, तथा महंगाई से आम जनता की जेब खाली होगी, जो ट्रम्प भरने का दावा कर रहे हैं।**
- **राजन का दूसरा तर्क है, भारी टैरिफ लगने से डिमाण्ड (मांग) कम हो जायेगी। अतः अमेरिका के व्यापारी टैरिफ का ''प्रोटेक्शन'' (सुरक्षा) मिलने से जो लाभ मिलने की आशा थी, वह ''डिमाण्ड'' कम होने से नुकसान में परिवर्तित हो जायेगा।**
- **राजन का तीसरा तर्क है, आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने की प्रतिक्रिया स्वरूप, दूसरे देश भारी टैरिफ लगायेंगे, जिससे अमेरिका से निर्यात की जाने वाली वस्तुएं, जैसे कृषि उत्पाद, बादाम, सेव व दालों के निर्यात में भारी कमी आयेगी। जिससे अमेरिका के किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा।**
- **राजन का मानना है, कि टैरिफ बहुत पुराना ''आऊट-डेटेड'' हथियार है, जिसकी धार बहुत पहले ही कुन्दित हो चुकी है। टैरिफ नीति कुछ समय के लिए लाभ देती नज़र आती है, पर दीर्घकाल में टैरिफ की सुरक्षा प्रतिस्पर्धा, कार्यकुशलता तथा ''इनोवेशन'' को निरुत्साहित करती है।**
- **अतः, अमेरिका को टैरिफ की दीवार के पीछे छुप कर बैठने से लाभ नहीं, वरना स्किल (हुनर), इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च को प्रोत्साहित करना चाहिए।**

शक्ति को कमज़ोर करता है, जिसे नीति निर्माता बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

दूसरा, उच्च टैरिफ़ मांग को

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ लगाने में हद पार कर दी'

अमेरिका के एक फैडरल अपील कोर्ट ने ट्रंप की टैरिफ नीति पर अंकुश लगाते हुए सख्त टिप्पणी की

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा किया था कि उन्हें कांग्रेस को दरकिनार करते हुए विदेशी उत्पादों पर बड़े पैमाने पर कर (टैरिफ) लगाने की लगभग असीमित शक्ति प्राप्त है। लेकिन अब एक संघीय अपील अदालत ने उनके इस रास्ते में बड़ा रोड़ा खड़ा कर दिया है।

यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फैडरल सर्किट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि ट्रम्प ने उस समय हद पार कर दी जब उन्होंने राष्ट्रीय आपात स्थिति का हवाला देते हुए लगभग हर देश से होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगा दिए। इस फैसले ने मुख्य रूप से न्यूयॉर्क की एक विशेष संघीय व्यापार अदालत के मई में दिए गए निर्णय को बरकरार रखा है।

हालांकि, 7 बनाम 4 के बहुमत से

- **कोर्ट ने 7 बनाम 4 के बहुमत से दिए फैसले में कहा, ट्रंप ने नैशनल इमरजैंसी के नाम पर दुनिया के सभी देशों पर टैरिफ लगाकर हद ही पार कर दी है।**
- **कोर्ट के इस निर्णय से ट्रंप को तगड़ा झटका लगा है, जो यह दावा करते हैं कि विदेशी उत्पादों पर टैरिफ लगाने का उन्हें पूरा अधिकार है, इसके लिए कांग्रेस की अनुमति की जरूरत भी नहीं है।**
- **ट्रंप के लिए, हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोर्ट ने टैरिफ वापस लेने का आदेश नहीं दिया है और अमेरिकी प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का समय दिया है।**

आए इस फैसले में उस हिस्से को खारिज कर दिया गया है जिसमें टैरिफ्स को तुरंत हटाने की बात थी। इसके परिणामस्वरूप ट्रम्प प्रशासन को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का अवसर मिल गया है।

यह फैसला ट्रम्प के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिनकी अस्थिर व्यापार नीतियों ने न केवल वित्तीय बाजारों को हिला दिया, बल्कि कारोबारियों को अनिश्चितता में डाल दिया और महंगाई व आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ा दी। इस मामले में अंतिम

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नोबेल के लिए नॉमिनेट नहीं किया, तो ट्रंप ने टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन, 30 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते उस वक्त खराब होने शुरू हो गए जब नरेन्द्र मोदी और डॉनल्ड ट्रंप के बीच टेलीफोन पर बात हुई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बड़ा खुलासा करते हुए उस दिन की बात बताई है, जब पीएम मोदी और ट्रंप के बीच कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन से इतर टेलीफोन पर बात हुई थी। 17 जून को पीएम मोदी और ट्रंप के बीच करीब 35

- **न्यूयार्क टाइम्स ने भारत पर टैरिफ लगाने के कारण का खुलासा किया।**

मिनट कर टेलीफोन पर बात हुई थी और इस दौरान ट्रंप ने मोदी से उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने को कहा था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा करते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार के लिए बार बार भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष को खत्म करवाने की बात कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 17 जून को टेलीफोन पर ट्रंप

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भारी आशाओं के बीच प्र.मंत्री मोदी शनिवार के दोपहर को चीन पहुंचे

उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात रविवार को होगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर थोपे गए टैरिफ युद्ध से उपजे दबाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सात वर्षों के अंतराल के बाद चीन पहुंचे। उनके इस दौरे से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक को लेकर बड़ी उम्मीदें जताई जा रही हैं, जिससे भारत-चीन संबंधों को नई दिशा मिल सकती है।

रविवार को शी जिनपिंग के साथ उनकी निर्धारित बैठक को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की टैरिफ नीति से उत्पन्न हालात के मद्देनजर अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसने दुनिया की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया है।

प्रधानमंत्री जापान से चीन पहुंचे हैं, जो उनके दो देशों के दौरे का दूसरा और अंतिम चरण है।

मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और सम्मेलन में आए अन्य कई

- **इससे पहले विदेश मंत्री एस.जयशंकर व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल चीन के विदेश मंत्री वैंग पी से विस्तार से बात कर चुके हैं, आपसी मुद्दों पर, जिसका सार है सीमा पर शांति स्थापित रखना, सीमा पर व्यापार की सम्भावना को सुलभ बनाना तथा दोनों देशों के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करना।**
- **इस शिखर सम्मेलन के दौरान प्र.मंत्री मोदी, रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी मुलाकात व बातचीत करेंगे।**

नेताओं से भी द्विपक्षीय वार्ताएं करने की संभावना है।

प्रधानमंत्री की यह यात्रा उस समय हो रही है, जब चीन के विदेश मंत्री वांग यी हाल ही में भारत की यात्रा कर चुके हैं।

वांग यी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से विस्तृत बातचीत की थी, जिसके बाद दोनों पक्षों ने स्थिर, सहयोगपूर्ण और भावी-दृष्टिकोण वाले संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की थी।

इन उपायों में विवादित सीमाओं पर शांति बनाए रखने, सीमावर्ती व्यापार फिर से शुरू करने, और सीधी उड़ानों को जल्द बहाल करने जैसे कदम शामिल थे।

पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों ने उन तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के प्रयास किए हैं, जो जून 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़पों के बाद बिगड़ गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछली बार जून 2018 में चीन की यात्रा की थी, जब वह एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे। शी जिनपिंग ने अक्तूबर 2019 में भारत का दौरा किया था, जो दोनों नेताओं के बीच दूसरा अनौपचारिक शिखर सम्मेलन था।

पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच तनातनी का अंत 21 अक्तूबर 2024 को हुए उस समझौते के बाद हुआ था, जिसके तहत डेमचोक और डेपसांग जैसे आखिरी दो तनाव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी पूरी हो गई थी।

'प्रतिबंध के बावजूद कार्य व्यवस्था के नाम पर तबादला क्यों'

जयपुर, 30 अगस्त। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने सरकारी कर्मचारियों के ट्रांसफर पर प्रतिबंध होने के बावजूद कार्य व्यवस्था के नाम पर वन विभाग में कार्यरत सर्वेयर का तबादला करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने प्रमुख वन सचिव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और उप वन संरक्षक, झालावाड़ से जवाब तलब किया है। अधिकरण के सदस्य चेतनराम देवड़ा और लेखराज तोसवडा ने यह आदेश राजेश कुमार की अपील पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता सुनील

- **सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने प्रमुख वन सचिव व प्रधान मुख्य वनसंरक्षक से जवाब मांगा।**

कुमार सिंगोदिया ने अधिकरण को बताया कि राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने परिपत्र जारी कर राज्य कर्मचारियों के तबादले पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद झालावाड़ में तैनात अपीलार्थी को गत 15 जुलाई को कार्य व्यवस्था के नाम पर टोंक में लगा दिया। इसको चुनौती देते हुए कहा गया कि राज्य सरकार का एक विभाग दूसरे विभाग के परिपत्र की पालना नहीं कर रहा है। इसके अलावा सेवा नियमों में कार्य व्यवस्था के नाम पर पदस्थापित करने का कोई प्रावधान ही नहीं है। इसके अलावा अपीलार्थी अल्प वेतन भोगी है और मूल जगह के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सोमवार को जम्मू जाएंगे शाह

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भीषण बाढ से जूझ रहे जम्मू कश्मीर में स्थिति का जायजा लेने के लिए सोमवार को जम्मू जायेंगे। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार शाह सोमवार को जम्मू पहुंचने के बाद बाढ से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे।

इसके बाद वह दिन में राजभवन में

- **केन्द्रीय गृहमंत्री जम्मू के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे और बाढ़ राहत कार्यों का जायजा लेंगे।**

उप राज्यपाल , सेना तथा प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक बैठक में राहत और बचाव अभियानों की समीक्षा करेंगे। बैठक में बाढ से प्रभावित राहत और पुनर्वास कार्यों के बारे में भी बातचीत की जायेगी। जम्मू कश्मीर में हो रही अप्रत्याशित बारिश , बादल फटने की घटनाओं, भूस्खलन और माता वैष्णों देवी मार्ग पर हुए हादसे के कारण सौ से भी अधिक लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

'भारत विश्व के गैर कानूनी घुसपैठियों की राजधानी नहीं है'

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने झुंझला कर सुप्रीम कोर्ट में कहा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अगस्त। पश्चिम बंगाल में लगभग हर व्यक्ति बंगाली बोलता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि सिर्फ बंगाली भाषा बोलने के आधार पर किसी व्यक्ति को अवैध बांग्लादेशी प्रवासी मान लिया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि भाषा के आधार पर किसी को विदेशी करार नहीं दिया जा सकता।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि बंगाली बोलने वाले श्रमिकों, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल थी, को अवैध रूप से हिरासत में लेकर बांग्लादेश में धकेल दिया गया।

न्यायमूर्ति बागची ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा, हम चाहते हैं कि आप यह स्पष्ट करें कि भाषा के आधार पर किसी को विदेशी मानने की यह पूर्वाग्रहपूर्ण सोच क्यों है?

उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर भाषा जैसे पहचान चिन्हों के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं हो सकता।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने तर्क दिया कि सीमा पर तैनात अधिकारी बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के लोगों को निर्वासित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह महिला गर्भवती थी और उसे जबरन देश से बाहर धकेल दिया गया-बिना यह साबित किए कि वह विदेशी है या नहीं।

- **एडवोकेट प्रशान्त भूषण ने बार-बार तुषार मेहता को घेर कर पूछा, ''भाषा कैसे मापदण्ड हो सकती है किसी की नागरिकता का निर्णय लेने के लिए।''**
- **तुषार मेहता ने प्रत्युत्तर में पूछा, ''सिविल सोसायटी ग्रुप्स की क्या भूमिका है? ये संस्थाएं क्यों इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में आती हैं, अगर किसी व्यक्ति विशेष को दिक्कत हो तो वह न्यायालय में आये। क्यों एक सुनियोजित तरीके से घुसपैठिये आते हैं, और इससे देश के संसाधनों पर भार पड़ता है।''**

वे कह रहे हैं बंगाली भाषा बांग्लादेशी भाषा है, इसलिए जो भी बंगाली बोले, वह बांग्लादेशी है। कोई भी अधिकारी किसी को भी विदेशी साबित किए बिना उसे देश से बाहर कैसे निकाल सकता है?

भूषण ने यह भी बताया कि उस महिला को बाद में बांग्लादेश में विदेशी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि उसे भारतीय नागरिक माना गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हिबीस कॉर्पस याचिकाओं को सिर्फ इसलिए लंबित नहीं रखा जा सकता क्योंकि इससे संबंधित मामले उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हैं, और उन्होंने कोलकाता हाई कोर्ट से अनुरोध किया कि वह इस मामले की जल्द सुनवाई करे।

भूषण ने जोर देते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल के आदेश के बिना कोई भी व्यक्ति देश से निष्कासित नहीं किया जा सकता।

जब न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने उल्लेख किया कि फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल केवल असम में हैं, तो भूषण ने उत्तर दिया कि वास्तव में सीमा सुरक्षा बल अपने विवेक से कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, कई बार बीएसएफ वाले कहते हैं, उधर भाग जाओ वरना गोली मार देंगे।

न्यायमूर्ति बागची ने टिप्पणी की, कोई भी व्यक्ति यदि भारत की सीमा के भीतर पाया जाए, तो उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए। एक बार व्यक्ति भारतीय सीमा के भीतर आ गया, तो उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई तय प्रक्रिया से होनी चाहिए।

सरकार की ओर से पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल मेहता ने तर्क दिया, कि इस तरह की याचिकाओं के पीछे सामाजिक संगठनों की भूमिका पर सवाल है। उन्होंने कहा, ऐसे संगठन ही क्यों कोर्ट में आते हैं? किसी व्यक्ति को भी आने दिया जाए। भारत अवैध प्रवासियों की वैश्विक राजधानी नहीं है। साथ ही उन्होंने व्यवस्थित घुसपैठ को

(शेष पृष्ठ 5 पर)

CMYK

उदयपुर जिले में बारिश का दौर जारी, वल्लभनगर बांध छलका

बरसात से वल्लभनगर बांध पर एक किलोमीटर लंबी चादर चली

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले में बारिश का दौर जारी है। पिछोला झील में सीसारमा नदी से आवक जारी है। सीसारमा नदी में शनिवार को चार फीट पानी का बहाव बना हुआ है। फतहसागर को भरने वाली मदार नहर में 3 फीट बहाव जारी है।

- **सीसारमा चार फीट, मदार नहर तीन फीट चली**

उदयसागर के दोनों गेट पांच-पांच फीट खुले होने से 19.50 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला वल्लभनगर बांध ओवरफ्लो हो गया है। इस पर करीब एक किलोमीटर लंबी चादर चल रही है। वल्लभनगर बांध पर चादर चलने से अब मावली क्षेत्र में स्थित बड़गांव बांध में भी आवक हो सकेगी। बड़गांव बांध का जलस्तर 7.62 मीटर के मुकाबले 4.91 मीटर है। इसके छलकने पर चित्तौड़ क्षेत्र के घोसूंडा बांध की पूर्ति हो सकेगी। घोसूंडा बांध का जलस्तर 423 आरएल मीटर के मुकाबले 419.60 मीटर हुआ है। इस बांध को भी भरने के लिए काफी पानी की जरूरत है।

फतहसागर और स्वरूपसागर के चारों गेट खोल रखे हैं और मदार के तालाब भी छलक रहे हैं। इससे आयड नदी होते हुए उदयसागर में आवक बनी हुई है। मानसी वाकल बांध पूरा भर चुका है। शुक्रवार को इसके गेट खोले गए जो कि शनिवार को वापस बंद कर दिए गए। अब यदि मानसी वाकल के कैचमेंट में तेज बारिश होती है तो फिर से मानसी वाकल बांध के गेट खोलने होंगे। ऐसे में अब जो भी पानी आएगा वह सीधा गुजरात ही जाएगा। देवास प्रथम बांध भी छलकता है तो उसका पानी भी गुजरात जाएगा। देवास प्रथम बांध तीन फीट ही खाली है। आकोदड़ा और मादडी बांध भी बहुत ज्यादा खाली नहीं है। ओवरफ्लो होने पर इनका पानी भी मानसी वाकल बांध होते हुए गुजरात जाएगा। पिछले 24 घंटों में उदयपुर के वल्ललनगर में सर्वाधिक 58 मिलीमीटर यानी दो इंच बारिश हुई। शहर में 20, मदार 16, नाई 32, बागोलिया 38, देवास प्रथम बांध 32, गोगुंदा 10, झाड़ोल में 41, कोटडा में 17 और सेई बांध पर 23 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

थानागाजी क्षेत्र में मूसलाधार बारिश से रुपारेल नदी उफान पर

मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई गांवों के रास्ते जलमग्न

अलवर, (निसं)। थानागाजी क्षेत्र में बीती रात मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। देर रात करीब 12:30 बजे से सुबह 4:30 बजे तक लगातार चार घंटे तक हुई तेज बरसात से सभी छोटे-बड़े बांधों में उपरा चल गई। वहीं रुपारेल नदी उफान पर आ गई। कई गांवों के रास्ते जलमग्न हो गए और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को करीब आठ बजे भर्तृहरि पुलिया पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। जान जोखिम में डालते हुए लोग बाबा भर्तृहरि के जयकारे लगाते हुए धाम की ओर रवाना हुए। पुलिया पर पानी का बहाव बना हुआ था, इसके बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

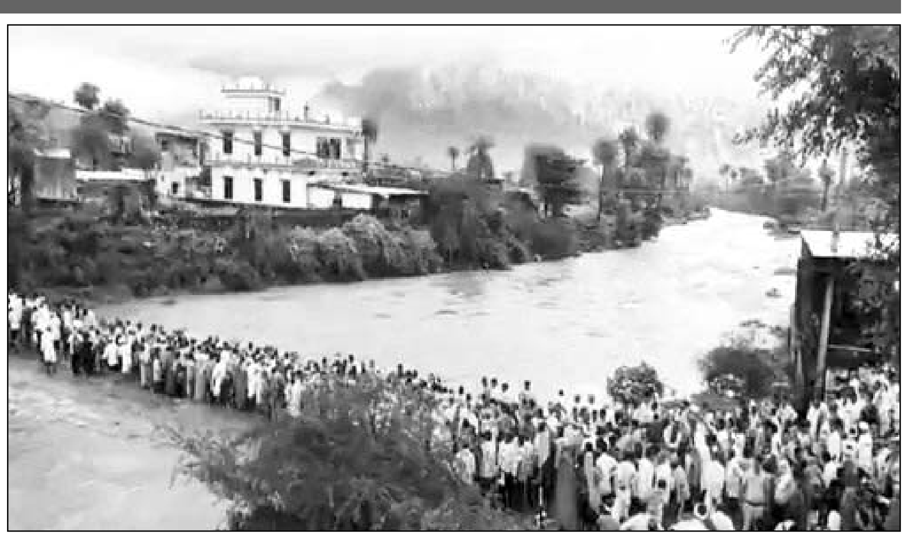

थानागाजी क्षेत्र में बीती रात मूसलाधार बारिश होने से रुपारेल नदी उफान पर आ गई।

भर्तृहरि मेले में दंडौती देने वाले भक्तों को टूटी सड़क की रोड़ियों की चुभन से बचने के लिए गद्दा भी साथ लाना पड़ रहा है। अलवर के अलापुर निवासी युवक बूटा सिंह (25) दंडौती करते हुए कुशालगढ़ से आगे जा रहे थे। उसने अपना दर्द बयां किया। बूटा सिंह ने कहा कि घर से चला तब सामान्य रूप से दंडौती देता हुआ आ गया, लेकिन कुशालगढ़ से आगे रोड़ियां इतनी चुभने लगी कि गद्दा मंगाना पड़ा। हालत ये हो गई कि पसलियों में दर्द और सूजन आ गया। इसके कारण गद्दा मंगाना पड़ा। अब मजबूरी में गद्दे के ऊपर लेटकर दंडौती देता आ रहा हूं।

बारिश से कच्चे मकान की छत गिरी, बच्चे की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरणसर में मलकीसर छोटा में बारिश के कारण एक कच्चे मकान की छत ढह गई, जिससे 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का शव फिलहाल सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा गया है। हादसा देर रात करीब तीन बजे हुआ है।

जानकारी के अनुसार लूणकरणसर सहित आसपास के क्षेत्रों में देर रात तक तेज बारिश थी। यहां मलकीसर छोटा गांव के चक 17 एमकेडी में देर रात करीब तीन बजे कच्चे मकान की छत ढह गई। लकड़ी और घासफूस की बनी ये छत 10 साल के शौर्य के ऊपर गिरी। शौर्य अपनी मां ममता के पास सो रहा था। शौर्य को सिर में चोट आई, वहीं मां के पैर में चोट लगी। परिजन शौर्य को लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के समय उसके पिता धर्मपाल भी वहीं थे। बारिश तेज होने के कारण वो उठ गए थे। वो बारिश के पानी को रोकने का प्रबंध कर रहे थे, तभी छत नीचे आ गिरी। वो खुद तो बच गये, लेकिन बेटा और पत्नी चपेट में आ गए। जिसमें बेटे की मौत हो गई।

60 लाख का मादक पदार्थ जब्त, पांच आरोपी गिरफ्तार

डीडवाना, (निसं)। कुचामन जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत डीडवाना-कुचामन पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने डीडवाना एसपी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी कि 29 और 30 अगस्त को परबतसर, कुचामनसिटी और मकराना थाना क्षेत्रों में की गई पुलिस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 275.93 ग्राम एमडीएमए, 39.4 ग्राम गांजा, 1 लाख 18 हजार नकद, तीन वाहन और पांच मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपये है।

- **275.93 ग्राम एमडीएमए, 39.4 ग्राम गांजा, 1 लाख 18 हजार नकद, तीन वाहन और पांच मोबाइल फोन बरामद किए**

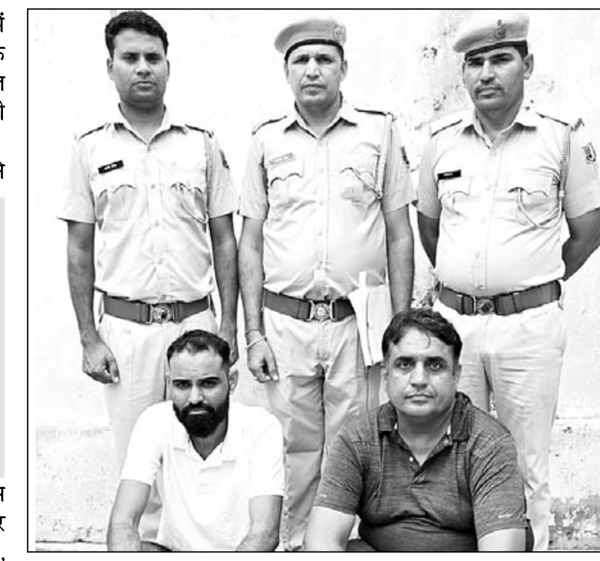

पुलिस ने तस्करों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त किया।

एसपी तोमर ने बताया कि थाना परबतसर पुलिस ने मंगलाना चौकी के पास नाकाबंदी में क्रेटा कार को रोका और तलाशी में धन्नाराम और राजूराम के कब्जे से 203.72 ग्राम एमडीएमए बरामद किया। कुचामनसिटी थाना पुलिस ने नारायणपुरा पुलिया के पास चेकिंग के दौरान वीटो कार से हेमाराम को पकड़ा, जिसके कब्जे से 56.64 ग्राम एमडीएमए मिला। वहीं मकराना थाना पुलिस ने न्यू बाइपास रोड पर आई-10 कार को रोककर अशोक बीदावत और मीनाक्षी सांसी को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 15.57 ग्राम एमडीएमए, 39.4 ग्राम गांजा और 1 लाख 18 हजार रुपये नकद मिले।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी सड़क हादसे में घायल

विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी को घायल अवस्था में गीतांजलि हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में चीरवा टनल के पास शुक्रवार देर रात राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। हादसे में विधायक दीप्ति माहेश्वरी की चार पसलियों में फ्रैक्चर आया है। डॉक्टरों ने उन्हें गंभीर अवस्था को देखते हुए आईसीयू में भर्ती कर विशेष निगरानी में रखा। उनके साथ कार में सवार पीए जय कनोजिया और ड्राइवर धर्मेंद्र नगारची भी घायल हुए हैं। जय के सिर पर गहरी चोटें आई हैं जबकि धर्मेंद्र को भी कई जगह चोटें आई हैं, जिन्हें तत्काल पेसिफिक हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद परिजन गीतांजलि हॉस्पिटल लेकर गए, जहां तीनों का उपचार जारी है।

- **विधायक दीप्ति की चार पसलियां टूटीं, पीए को सिर में चोटें आईं, ड्राइवर भी घायल हुआ**
- **दीप्ती माहेश्वरी की गाड़ी और गुजरात नंबर की गाड़ी में भिड़ंत होने से कार क्षतिग्रस्त हो गई**

पुलिस ने बताया कि दीप्ति माहेश्वरी बीती रात नाथद्वारा से उदयपुर आ रही थी। देर रात करीब एक बजे चीरवा टनल क्रॉस किया ही था अमरख महादेव जाने वाले डिवाइडर कट के पास उदयपुर से चीरवा टनल की ओर आती गुजरात नंबर के वाहन चालक ने अचानक डिवाइडर कट से यू टर्न लिया, जिससे चीरवा से उदयपुर आ रही दीप्ती माहेश्वरी की गाड़ी और इस गुजरात नंबर की गाड़ी में जोरदार भिड़ंत हो गयी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे में घायल सभी लोगों को हॉस्पिटल पहुंचाया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मौके पर यातायात बहाल किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा अमरखजी मंदिर से आगे चीरवा टनल की ओर जाने वाले कट के पास हुआ। उदयपुर से नाथद्वारा की दिशा में जा रही गुजरात नंबर की गाड़ी के चालक ने अचानक कट लिया और सामने से आ रही विधायक की गाड़ी से टकरा गया। दीप्ति माहेश्वरी शुक्रवार रात को राजसमंद जिले में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर उदयपुर लौट रही थीं। घर से करीब 10 किलोमीटर पहले ही उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। शनिवार को उदयपुर के गणगौर घाट पर धार्मिक आयोजन था। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वह शुक्रवार रात राजसमंद से उदयपुर लौट रही थीं।

विधायक के पिता सत्यनारायण माहेश्वरी ने बताया कि हादसे के समय कार में उनकी बेटी के साथ पीए जय और ड्राइवर धर्मेंद्र मौजूद थे। तीनों को समय रहते अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड,जिला महामंत्री देवीलाल सालवी और जिला प्रवक्ता गोविंद दीक्षित ने हॉस्पिटल पहुंचकर विधायक का हालचाल जाना। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विधायक दीप्ति माहेश्वरी खतरे से बाहर हैं और शनिवार को उन्हें आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाएगा। विधायक की कार को टक्कर मारने वाली गाड़ी गुजरात नंबर की है। उसमें चार युवक सवार थे। हादसे के बाद सुखेर थाना पुलिस ने चारों को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि ये युवक मैकेनिक हैं और उदयपुर के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हॉस्पिटल प्रशासन ने उनके इलाज व देखभाल के लिए सीनियर डॉक्टर्स की टीम का गठन किया है। वर्तमान में दीप्ति माहेश्वरी की हालत स्थिर हैं और पूर्णतः होश में हैं। दीप्ति माहेश्वरी के दुर्घटना में घायल होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में उदयपुर व राजसमंद के भाजपा पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे तथा उनकी कुशलक्षेम पूछने वालों का ताता लग गया।

133 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त, आरोपी फरार

भीलवाड़ा, (निसं)। डीएसटी टीम भीलवाड़ा एवं फूलियाकलां पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक फार्च्यूनर कार से सात कट्टों में 133 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त किया है। आरोपी कार छोड़ फरार हो गए। फूलियाकलां थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि फूलियाकलां थाना पुलिस एवं डीएसटी टीम थाना क्षेत्र के अरवड़ चौकी के सामने नाकाबंदी कर रखी थी। इस दौरान एक फार्च्यूनर कार शाहपुरा से आती दिखी और रुकवाने पर चालक ने गाड़ी को नाकाबंदी पर नहीं रोकते हुए फरार हो गया। टीम ने कार का पीछा करते हुए थोड़ी दूर पर पुलिस एवं डीएसटी की दूसरी टीम को सूचना दी, जिस पर दूसरी संयुक्त टीम ने सूचना पर टायर बस्टर्ड लगाकर आरोपियों की कार का टायर बर्स्ट कर दिया गया तथा पुलिस की टीमें पीछा करने लग गई। टायर फटने के बावजूद भी आरोपी कार को भगाते हुए ईटडिया गांव से रणजीतपुरा रोड़ के पास माताजी मंदिर के कच्चे रास्ते पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। कार की तलाशी पर उसमें 7 कट्टो में भरा अवैध डोडा-चूरा पाया गया, जिसका वजन 133 किलोग्राम हुआ।

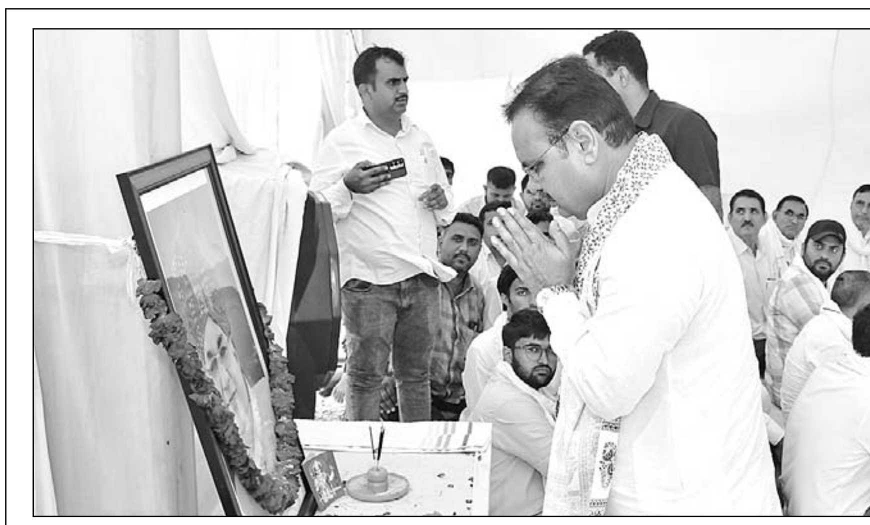

जैसलमेर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जैसलमेर के मोहनगढ़ पहुंचे और बाड़मेर-जैसलमेर के पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। भजन लाल शर्मा ने स्व. कर्नल सोनाराम चौधरी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस दौरान विधायक छोटू सिंह भाटी, कुलदीप धनखड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कॉलेज में प्रवेश के लिये फिर से अवसर

अजमेर। राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, अजमेर तथा राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय ब्यावर (कैम्प अजमेर) के प्रथम वर्ष तथा राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, अजमेर के द्वितीय वर्ष (लेटरल इंट्री) शैक्षिणक सत्र 2025-2026 के लिये प्रवेश में रिक्त रही सीटों पर खुले प्रवेश के लिये प्रवेश एवं सूचना हेतु ऑफलाइन व ऑन लाइन आवेदन प्रक्रिया पुन: प्रारम्भ की जा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील जैन ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी आधिकारिक डिप्लोमा एडमिशन वेबसाइट पर जाकर रिक्त सीटों और प्रवेश की जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। महत्त्वपूर्ण तिथियाँ : प्रथम चरण में ऑनलाइन आवेदन तिथि 1 सितम्बर से 3 सितम्बर , महाविद्यालय में मूल दस्तावेज एवं फीस रसीद संग्रह 04.09.2025, द्वितीय चरण में ऑनलाइन आवेदन तिथि 10 सितम्बर से 14 सितम्बर, महाविद्यालय में मूल दस्तावेज एवं रसीद संग्रह 15 सितम्बर है।

ट्रक-बाइक की टक्कर में एक की मौत

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के मूनपुर पुलिया के पास केंटरा ट्रक एवं बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक राकेश मीणा निवासी दलालपुरा की मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना में दूसरी बाइक सवार दो लोग चपेट में आने से घायल हो गए। कोठी नारायणपुर पुलिस चौकी के हेड कांस्टेबल रमेश मीणा ने बताया कि दलालपुरा थाना राजगढ़ निवासी जगदीश मीणा ने दर्ज कराया कि उसका छोटा भाई राकेश मीणा पुत्र कालूराम मीणा 30 अगस्त को किसी कार्य से घर से निकला था जो कार्य करके वापस घर लौट रहा था। मूनपुर पुलिया के पास करीब 4:10 बजे सामने से आ रहे केंटरा चालक ने साइड में चल रहे उसके भाई को टक्कर मार दी। दुर्घटना में राकेश की मौके पर मौत हो गई। इधर मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी।

एकतरफा प्यार में लड़की हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

बड़े भाई और पिता को भी 3-3 साल की सजा, लड़की को छत पर जाकर गोली मारी थी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कोतवाली थाना इलाके में चार साल पहले एक लड़की की प्रेम प्रसंग के चलते गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास और उसके पिता और भाई को 3-3 साल की सजा सुनाई है। साथ ही मुख्य आरोपी पर 20 हजार और उसके भाई और पिता पर 5-5 हजार का जुर्माना लगाया है। आरोपी ने चार साल पहले एक लड़की की हत्या कर दी थी।

एक तरफा प्यार करता था आरोपी :-कुलदीप धनकड़, लोक अभियोजक,ने बताया कि शहर कोतवाली इलाके स्थित मुखर्जी नगर कॉलोनी में 26 जनवरी 2021 की सुबह उसी कॉलोनी के रहने वाले युवक सुनील (24) ने अंकिता (19) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। सुनील अंकिता से एक तरफा प्यार करता था। 26 जनवरी के दिन अंकिता अपनी छत पर घूम रही थी। अंकिता के पिता शक्ति राजपूत और मां रेखा स्कूल गए हुए थे। अंकिता के माता-पिता सरकारी टीचर थे। घर पर अंकिता और उसकी बड़ी बहन कनिष्का घर थी। इस दौरान आरोपी सुनील घर के बगल में सीढ़ी लगाकर अंकिता की छत पर पहुंचा और उसके अंकिता के पेट में दाई तरफ गोली मारकर फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुन अंकिता की बड़ी बहन कनिष्का छत पर पहुंची। तब तक सुनील फरार हो चुका था। कनिष्का ने अपने माता पिता को फोन कर घटना के बारे में बताया। दूसरी तरफ सुनील को भागते समय कॉलोनियों के लोगों ने देख लिया था। घटना के बाद तुरंत अंकिता को अस्पताल लेकर जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपियों को कोर्ट में पेश किया।

अंकिता के पिता की शिकायत पर सुनील को 4 फ़रवरी 2021 को गिरफ्तार किया गया था। सुनील के साथ उसके पिता वीरेंद्र और भाई राकेश को भी गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद आज अतिरिक्त सेशन न्यायाधीश महिला उत्पीड़न प्रकरण कोर्ट ने मामले पर फैसला सुनाते हुए सुनील को आजीवन कारावास की सजा और 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही सुनील को पुलिस से बचाने के आरोप में पिता वीरेंद्र और भाई राकेश सिंह को 3 -3 साल की सजा और 5-5 हजार का जुर्माना लगाया है।

केंद्रीय गृहमंत्री के लिए ऐसा बयान भारत की आत्मा पर हमला है : के.के. गुप्ता

उदयपुर, (कासं)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के उस चौंकाने वाले बयान ने पूरे राजनीतिक गलियारे को हिला कर रख दिया है, जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेकर कहा कि अगर गृह मंत्रालय सीमा सुरक्षा करने में विफल है, तो अमित शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए। यह बयान न केवल संसदीय मर्यादाओं के विपरीत माना जा रहा है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के मूल्यों पर भी सीधा प्रहार भी माना जा रहा है। महुआ मोइत्रा का यह बयान इतिहास में एक कलंक की तरह दर्ज होगा और जनता इस कलंक को वोट की ताकत से धो डालेगी।

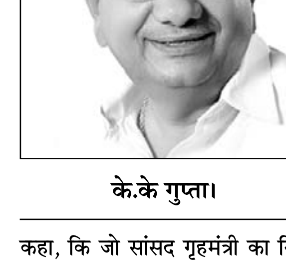

के.के गुप्ता।

- **तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में दिए गये बयान पर सियासी तूफान मचा**
- **जो सांसद गृहमंत्री का सिर काटने की बात करती है, जनता उसी का राजनीतिक सिर वोट की चोट से काटकर हमेशा के लिए खत्म कर देगी : के.के. गुप्ता**

मोइत्रा के बयान पर तीखा हमला बोलते हुए स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार के स्टेट कोऑर्डिनेटर और प्रमुख भाजपा नेता के.के. गुप्ता ने कहा, कि जो सांसद गृहमंत्री का सिर काटने की बात करती है, जनता उसी का राजनीतिक सिर वोट की चोट से काटकर हमेशा के लिए खत्म कर देगी। यह भाषा किसी जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देती। यह न लोकतंत्र की जुबान है, न भारतीय संस्कृति की पहचान है। गुप्ता ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह देश की सीमाओं की सुरक्षा में दिन-रात जुटे हैं। उनकी अगुवाई में कई ऐतिहासिक फैसले हुए हैं और देश की आंतरिक सुरक्षा को नई मजबूती मिली है। ऐसे में उनके खिलाफ 'सिर काटने' जैसी बातें करना न केवल असभ्य है बल्कि देश की जनता का भी अपमान है। मोइत्रा का यह बयान साबित करता है कि तृणमूल कांग्रेस के पास न कोई दृष्टि है, न कोई नीति। जब मुद्दों की राजनीति खत्म हो जाती है, तो नेता ऐसी जहरीली भाषा बोलते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र बहस और विचारों के आदान-प्रदान से चलता है, धमकियों और हिंसक शब्दावली से नहीं। यह भारत है, यहां सिर नहीं, अहंकार कटता है। यहां तलवार से नहीं, जनता की ताकत से फैसले होते हैं। मोइत्रा का यह बयान सिर्फ गृहमंत्री अमित शाह पर हमला नहीं, बल्कि भारत के संविधान और संसद की गरिमा पर हमला है और इस हमले का जवाब देश की जनता देगी। गुप्ता ने दोहराया कि भाजपा और देश की जनता ऐसे विचारों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। लोकतंत्र में सिर काटने की भाषा नहीं, सेवा और संघर्ष की संस्कृति है।

बाढ़ग्रस्त गांवों का जॉइंट सर्वे कराकर ड्रेनेज सिस्टम के लिए प्रोजेक्ट बनाएं : ऊर्जा मंत्री

- 'जलभराव के स्थान चिन्हित करें, टूटी सड़कों की मरम्मत कर सुगम बनाएं'
- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने पीडब्ल्यूडी और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बैठक ली

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शनिवार को इन्द्रविहार स्थित आवास पर पीडब्ल्यूडी और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने सिमलिया, सांगोद, दीगोद, कनवास, विनोद खुर्द में जलभराव वाले क्षेत्रों में नाला एवं डायवर्जन चैनल निर्माण की बजट घोषणा के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली। वहीं विधायक कोष, नरेगा के कार्यों की भी समीक्षा की।

ऊर्जा मंत्री ने जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर ड्रेनेज सिस्टम, नाला सफाई, जल निकासी आदि को लेकर प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, दीगोद क्षैत्र के निमोदा आदि गांवों में इरिगेशन, पीडब्ल्यूडी, सीएडी का जॉइंट सर्वे कराने के लिए भी कहा। ऊर्जा मंत्री नागर ने अधिकारियों से कहा कि जलभराव वाले स्थानों को अभी से चिन्हित कर भविष्य में जलभराव ना हो यह सुनिश्चित किया जाए। तालाब, नाला, सड़क आदि के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी कार्यों की अधिकारी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने बरसात के दिनों में उखड़ी हुई सड़कों के तुरंत दुरुस्तीकरण कर तत्काल राहत देने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि पूर्व में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी शमशान को लेकर निर्देश दिए थे। हर गांव में शमशान तक अप्रोच सड़क निर्माण कराया जाए। शमशान को आबादी में मानकर ही कार्य कराए जाएं। नागर ने कहा कि गांव में कीचड़ का स्थाई समाधान होना चाहिए। वहीं सड़कों की चौड़ाई भी पर्याप्त हो, इसका ध्यान रखें। सड़कों के किनारों पर जो बंबूल और झाड़ झंकार उगते हैं, उन्हें समय पर हटाया जाए।

जलभराव के स्थान पर ड्रेनेज सिस्टम पर्याप्त हो और उनकी सफाई की भी पूर्ण व्यवस्था होनी चाहिए। नहरी पानी सड़कों को खराब ना करें इसको ध्यान में रखा जाना चाहिऐं। नागर ने कहा कि जिन डायवर्सन चैनल और नाला निर्माण की स्वीकृतियां हो चुकी हैं। उनकी टेंडर प्रक्रिया पूरी कर शीघ्रता से कार्यों को धरातल उतारा जाए। ज्यादा खराब सड़कों को तुरंत ठीक कराया जाए। पुरानी स्वीकृतियों की क्रियान्विति शीघ्र हो। उन्होंने कहा कि इस बार जहां जल भराव है। वहां आगे की प्लानिंग सभी से बात करके की जाएगी। ताकि किसानों के खेतों में भरने वाले पानी से हुए नुकसान से बचा जा सके।

इस अवसर पर सांगोद प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं, पीडब्ल्यूडी के एसई जगदीश प्रसाद गुप्ता, जल संसाधन विभाग के एसई एके जेमिनी, एक्सईएन अनिल मीणा, एक्सईएन सांगोद दिनेश कुमार धाकड़, एक्सईएन सुल्तानपुर अंकित बिंदल, एईएन सुनील पारेता, पवन भगत, दीपक दाधीच, नरेंद्र राठौर, प्रतिमा सोलंकी, जितेंद्र अग्रवाल, जेईएन इंदर कुमार गुर्जर, दीपक बैरवा, गोविंद व्यास, शुभम गर्ग, शिवकुमार नागर समेत विभिन्न अभियंता मौजूद रहे।

कोटा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने पीडब्ल्यूडी और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर चर्चा की है।

बारां में राष्ट्रीय पर्यावरण सेमीनार में शामिल होंगे विशेषज्ञ

- मुख्य वक्ता मैग्सेसे अवॉर्ड प्राप्त डॉ.राजेंद्र सिंह होंगे

कोटा, (निसं)। इंटेक बारां चैप्टर द्वारा दिनांक 31 अगस्त रविवार से 1 सितम्बर सोमवार तक आयोजित दो दिवसीय नेशनल एनवायरमेंट सिंपोजियम में इंटेक वाइस चेयरमैन प्रोफेसर सुखदेव सिंह द्वारा 31 अगस्त को दीप प्रज्वलन कर उदघाटन किया जाएगा।

इस नेशनल एनवायरमेंट सिंपोजियम में पूरे देश भर के 11 प्रांतों से 20 से भी अधिक पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता और पर्यावरण विशेषज्ञ भाग लेने के लिए बारां में आ रहे हैं।

इस आयोजन में राजस्थान के अलावा हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा राज्य के सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता भी शामिल हैं। इंटेक बारां चैप्टर के प्रवक्ता ने बताया कि 'शाहबाद जंगल-एक प्राकृतिक विरासत' विषय पर आयोजित इस नेशनल एनवायरमेंट सिंपोजियम में इंटेक गवर्निंग काउंसिल की टूरिज्म, चैप्टर और एनवायरमेंट सलाहकार समिति के सदस्य भी मौजूद रहेंगे जो अपने अन्य सहभागियों के साथ मंथन कर पूरे देश में लागू करवाए जाने वाली पर्यावरण नीति का मसौदा तैयार करेंगे जो देश के प्रधान मंत्री और वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली को भेजा जाएगा। इसके अलावा इस मसौदे को देश भर के सभी संसद सदस्यों द्वारा अनुमोदन हेतु भी प्रेषित किया जाएगा।

प्रवक्ता ने बताया कि इस आयोजन के प्रथम दिन उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि ज्ञानेश्वर दयाल एडिटर द डेली पायनियर नई दिल्ली होंगे वहीं मुख्य वक्ता मैग्सेसे अवॉर्ड प्राप्त डॉ.राजेंद्र सिंह होंगे।

कार्यक्रम के इस सत्र में अध्यक्षता समाजसेवी भामाशाह और उद्योगपति और चेयरमैन इंटेक एडवाईजरी कमेटी बारां के अध्यक्ष विष्णु कुमार साबू द्वारा की जाएगी वहीं बारां नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और समाजसेवी भामाशाह जयनारायण हल्दिया विशिष्ट अतिथि होंगे।

सत्र का संचालन जितेन्द्र कुमार शर्मा कन्वीनर भारतीय सांस्कृतिक निधि वराह नगरी बारां अध्याय द्वारा किया जाएगा।

दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यकर्ता रोबिन सिंह उत्तरप्रदेश भाग लेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लायंस क्लब श्रीजी के संरक्षक कुंज बिहारी नागर,भोज शोध संस्थान धार के निदेशक डॉ.दीपेन्द्र शर्मा, मुरैना के इंटेक कन्वीनर अशोक कुमार शर्मा सहभागिता करेंगे।

इस सत्र में डॉ. राधेश्याम गर्ग आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ अध्यक्ष होंगे वहीं कोटा चम्बल संसद के संयोजक और शाहबाद घाटी संरक्षण संघर्ष समिति बारां के संरक्षक बृजेश विजयवर्गीय पत्रवाचन करेंगे।

इसी सत्र में सरायपाली छत्तीसगढ़ के यशवंत चौधरी भी अपना पत्रवाचन करेंगे। पत्रवाचनों का विषय क्रमशः

शाहबाद जंगल के विविध उपादान:- ईको टूरिज्म की संभावनाएं और उनकी निरंतरता में खतरे तथा भारत में कम होती जा रही वनों की प्रतिशतता-कारण और निवारण होगा। इस दूसरे सत्र में यंग इंटेक कन्वीनर कुमार शामी द्वारा सत्र संचालन किया जाएगा।

देवनारायण जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली

- गुर्जर ने समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया

छबड़ा (निसं)। गुर्जर समाज के आराध्य भगवान श्री देवनारायण के जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमे विभिन्न प्रकार की झाँकिया आकर्षक का केंद्र रही। इससे पूर्व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल थे। विशिष्ट अतिथि श्रीवीर गुर्जर विकास समिति जिलाध्यक्ष रूपराजसिंह गुर्जर और लकडा धाम के करणसिंह मंचासीन रहे। यहां समाज की विभिन्न प्रतिभाओ का स्वागत-सम्मान किया गया।

वीर गुर्जर विकास समिति के तहसील अध्यक्ष डॉ. गिरिराज गुर्जर ने बताया कि शोभायात्रा का कस्बेवासियों ने जगह-जगह स्वागत द्वार व पुश्पवर्शा कर स्वागत किया। बैंसला ने यहां समाज को एकजुट रहने और बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया। पूर्व विधायक गुंजल ने समाज के लोगो से देशहित ओर समाजहित में कार्य करने का आग्रह किया। यहां छबड़ा एसडीएम रामसिंह गुर्जर ने समाज की प्रतिभाओ को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर श्रीवीर गुर्जर विकास समिति जिलामहामंत्री रणजीत गुर्जर, छीपाबडौद तहसील अध्यक्ष रामकरण घराटीया, राजेंद्र गुर्जर, नरेंद्र गुर्जर, नरेंद्र ढोलम, देवसेना जिलाध्यक्ष दीपक गुर्जर, राकेश सरसोदिया, रामप्रसाद बरसत, रामचरण सरपंच, सोनाराम मरवाडा, रामरतन गुर्जर, मेघराज गुर्जर सहित बडी संख्या में समाजबंधु मौजूद थे।

दीपावली से पहले पशुपालकों को तोहफा-दूध की दरों में 20 पैसे की वृद्धि

कोटा, (निसं)। कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में सरस डेयरी सभागार में डेयरी अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में पशुपालकों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, जिससे हजारों दुग्ध उत्पादकों को दीपावली से पूर्व आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। बैठक में कोटा सरस डेयरी के दुग्ध उत्पादकों को दीपावली से पहले तोहफा देते हुए संघ ने दूध की खरीद दरों में 20 पैसे की वृद्धि का निर्णय किया है।

दीपावली से पहले किसानों को मिलेगा लाभ संघ अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि बढोतरी से किसानों को दीपावली के पूर्व ही लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि पशुपालक जब खुशियां मनाते हैं तो उनका दूध ही मुख्य आय का स्रोत होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए किसानों को दीपावली से पहले लाभांवित करने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। राठौड़ ने कहा कि अब डेयरी पशुपालकों से 800 रुपये प्रति किलो फैट के स्थान पर 820 रुपये प्रति किलो फैट की दर से दूध खरीदेगी। इस नई दर प्रणाली से किसानों को प्रति लीटर दूध पर लगभग 1 से 2 रुपये तक का अतिरिक्त मुनाफा होगा।

संघ के प्रबंध निदेशक दिलखुश मीणा ने बताया कि वर्तमान में संघ में प्रतिदिन औसतन 50 हजार लीटर दूध आ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पशुपालकों के हितों में संघ नियमित रूप से दरों में वृद्धि करता रहता है। इसी श्रृंखला में संघ अध्यक्ष ने दूध की खरीद दरों में 20 पैसे की बढ़ोतरी दर्ज करने का निर्णय लिया है। मीणा ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष महोदय के निरंतर प्रयासों से कोटा-बूंदी क्षेत्र की 450 सक्रिय समितियों के हजारों पशुपालक इस निर्णय से लाभांवित होंगे। यह संख्या इस बात को दर्शाती है कि इस निर्णय का व्यापक प्रभाव होगा।

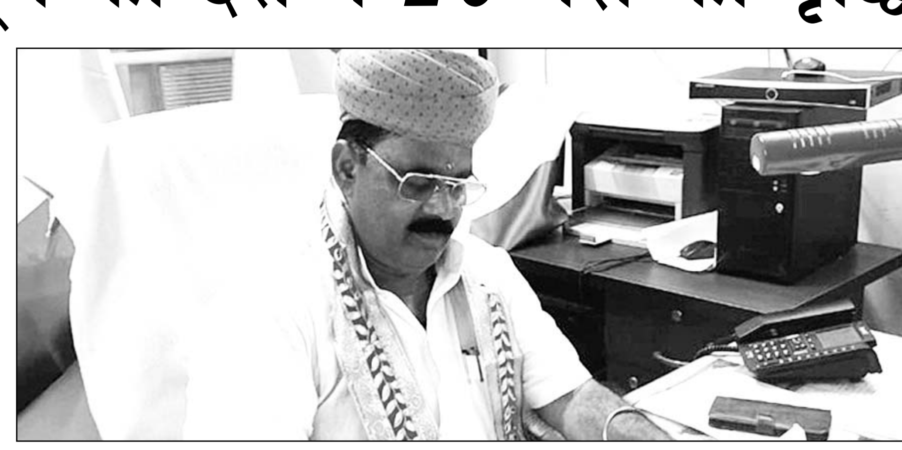

कोटा डेयरी की बैठक अध्यक्ष चैन सिंह राठौर की अध्यक्षता में आयोजित होगी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल, मासूम बालक की मौत

- ग्रामीणों ने ट्रक में तोड़-फोड़ कर दी एवं मौके पर जाम लगा दिया

कोटा, (निसं)। सुल्तानपुर थाना इलाके में ट्रक की टक्कर से बाईक सवार दंपति के डेढ़ वर्षीय मासूम बालक की मौत हो गई। हादसे में पति-पत्नी दोनो घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार ट्रक चालक द्वारा बाईक सवार को टक्कर मारने के बाद बाइक पर पीछे मां की गोद में बैठा मासूम बालक उछल कर ट्रक के टायर के नीचे आ गया, हादसे में मासूम बालक की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों का गुस्सा फुट पडा और ग्रामीणो ने ट्रक में तोड़-फोड़ कर दी एवं मौके पर जाम लगा दिया। हादसे की सूचना पाकर पुलिस उप अधीक्षक इटावा शिवम जोशी एवं सुल्तानपुर थानाधिकारी जाप्ता लेकर मौके पर पहुंचे एवं जाम लगाकर बैठे लोगों से समझाईश की। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर निवासी शुभम प्रजापति अपनी पत्नी व डेढ़ साल के मासूम बेटे के साथ बाईक से इटावा की ओर से सुल्तानपुर आ रहा था।

वहीं ट्रक चालक कोटा की ओर से इटावा जा रहा था कि सुल्तानपुर में अचानक से रॉग साईड आने से ट्रक चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाईक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाईक पर पीछे मां की गोद में बैठा डेढ वर्षीय मासूम उछलकर ट्रक के पहिये के नीचे आ गया। जिससे बालक की मौत हो गई। मौके पर ग्रामीणों ने स्टेट हाइवे कोटा-श्योपुर रोड़ पर जाम लगाकर मृतक बालक के परिवार वालों को उचित मुआवजा एवं ट्रक चालक के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

हंगामे की सूचना पर पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया। सूचना पर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जाम लगा रहे ग्रामीणो से समझाईश कर जाम को हटवाया। सुल्तानपुर थानाधिकारी सत्यनारायण मालव ने बताया कि सल्तानपुर निवासी शुभम प्रजापति परिवार सहित बाईक से इटावा की ओर से सुल्तानपुर आ रहा था और ट्रक इटावा की ओर जा रहा था, मौके पर ट्रक रॉग साईड खड़ा था। हादसे में शुभम प्रजाति के मासूम बालक की मौत हो गई।

थानाधिकारी ने बताया कि लोगो से समझाइश की राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि मृतक बालक के परिजनों को दिलाई जाने के आश्वासन के बाद ग्रामीणो ने जाम को खोल दिया। बालक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। ट्रक को जब्त कर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सार-समाचार

ऊर्जा मंत्री का अभिनंदन किया

कोटा, (निसं)। सांगोद विधानसभा क्षेत्र के गांव ढोठी में रीको का इंडस्ट्रियल एरिया घोषित होने पर शनिवार को कोटा आए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का लोगों ने अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, मंत्री नागर और सीएम भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के आवास पर देवली भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय शंकर सैनी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आभार जताया। इस अवसर पर मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस निर्णय से क्षेत्र में औद्योगिक और आधारभूत संरचना का विकास होगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि भी होगी। उन्होंने बताया कि कोटा जिले में गैर- प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिए कनवास तहसील के ग्राम ढोटी में कुल 22.78 हैक्टेयर भूमि के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह भूमि राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) को आवंटित की गई है। मण्डल अध्यक्ष विजयशंकर सैनी ने कहा कि सरकार का निर्णय पूरे क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव लाएगा। औद्योगिक वातावरण तैयार होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस अवसर पर जोंटी नागर, विष्णु दाधीच, भूपेंद्र नागर, चेतन मालव, शिवशंकर मालव, रामकुमार मेघवाल, राधेश्याम नागर, शिवराज नागर, हेमराज सुमन, धनराज नागर, जितेंद्र गुर्जर, रामस्वरूप सुमन, सत्यनारायण मालव, शिवराज मालव, सत्यनारायण नागर, किशन मेहरा चडावत, मनोज राठौर, पवन गौतम, हरीश सुमन, रघुराम मेहता, जुगराज वैष्णव, रघुवीर बैरागी, आत्माराम दाधीच, हरिप्रकाश बेरवा, मांगीलाल सुमन, जेपी सुमन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'नेत्रदान पर जागरूकता कार्यशाला

कोटा, (निसं)। आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान द्वारा 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत नेत्रदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन एक निजि कॉलेज में किया गया, जिसमें 150 से अधिक छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को इस महान दान के लिए प्रेरित करना था। सचिव सुरेश सेडवाल ने बताया कि कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.के.के.कांजोलिया और डॉ.महेश पंजाबी ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नेत्रदान की आवश्यकता, प्रक्रिया और इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉक्टरों ने तकनीकी रूप से समझाया कि किस प्रकार एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आंखें दो नेत्रहीन व्यक्तियों को रोशनी दे सकती हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी जी.डी.पटेल, नीरजा श्रीवास्तव, अनीता , अजय गटानी और टेक्निशियन टिंकू ओझा उपस्थिति थे। नीरजा श्रीवास्तव का इस कार्यक्रम के आयोजन में अमूल्य योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने नेत्रदान से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका डॉक्टरों ने संतोषजनक उत्तर दिया।

प्रगति मेडिकल कॉलेज ऑफ फार्मेसी रानपुर में खेल दिवस का समापन आज

कोटा, (निसं)। प्रगति मेडिकल कॉलेज ऑफ फार्मेसी रानपुर कोटा में मेजर ध्यानचंद जयंती के उपलक्ष्य में 2 दिवसीय खेल दिवस का दूसरा दिन समपन्न हुआ। दूसरे दिन महाविद्यालय के छात्रों ने 50 मीटर रेस, स्पून रेस एवं टग ऑफ वार खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। 50 मीटर रेस में प्रथम- मोहम्मद आवेष, द्वितीय-राकेश मेघवाल विजेता रहे, स्पून रेस में प्रथम-मोहम्मद अहद, द्वितीय- राकेश मेघवाल विजेता रहे, एवं टग ऑफ वार में मोहम्मद आवेष, रुपेश, शुभम कुमार, रोहित मेरोठा विजेता टीम में रहे। आयोजन के अंतिम दिवस पर महाविद्यालय की एच.ओ.डी. मीना शर्मा भी उपस्थित रहीं।

ससुराल गए युवक की बाइक चोरी

छबड़ा (निसं)। कस्बे में बाईक चोरी की घटनाएं थमने का नाम नही ले रही हैं। दो दिन पूर्व अपने ससुराल गए एक युवक की बाईक चोरी हो गई। हरिओम बैरागी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह गुरूवार को कोली मोहल्ला स्थित ससुराल में गया था। जहां उसकी बाईक खडी की थी। वापस आकर देखा तो बाइक नहीं मिली। जिसे अज्ञात चोर चुराकर ले गया। उसने थाने में प्रकरण दर्ज करवा दिया है।

कलेक्ट्रेट के सामने जे के मजदूरों का धरना जारी

कोटा, (निसं)। वर्षों से संघर्ष कर रहे जेके श्रमिकों के समर्थन में कम्युनिस्ट लीडर वृंदा करात ने मोर्चा खोल दिया है। सीटू के मिडिया प्रभारी मुरारीलाल बैरवा ने जानकारी देते हुए बताया कि जेके फैक्ट्री के मजदूरों को बकाया वेतन भुगतान दिलाने की मांग को लेकर 18 फरवरी से चल रहा अनिश्चितकालीन धरने को आज 194वें दिन बीत चुके हैं।

इस बीच धरने की संचालक समिति के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों द्वारा अनेको बार ज्ञापन देकर अवगत कराया जा चूका है लेकिन सरकार द्वारा मजदूरों को बकाया वेतन चुकाने को लेकर अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया सरकार की इस तानाशाही के खिलाफ मजदूरों मे रोष व्याप्त है मजदूरों के समर्थन मे वामपंथी पार्टी सीपीआईएम मैदान मे उतर चुकी है एक सितंबर को सीपीआईएम की राष्ट्रीय नेता वृंदा करात जेके मजदूरों के धरने को सम्बोधित करेगी।

सीटू मीडिया प्रभारी मुरारीलाल बैरवा ने कहा की जेके फैक्ट्री मालिक ने 1997 मे मुनाफे में चल रही फैक्ट्री को बन्द कर दिया। 1997 मे बन्द हुई जेके को वापस चालू करवाने को लेकर मजदूरों ने आंदोलन किया जिसमे सरकार ने मध्यस्ता करते हुए बन्द हुई जेके फैक्ट्री को वापस चालू करवाने ओर मजदूरों को रोजगार देने व बकाया वेतन भुगतान करने को लेकर एक त्रिपक्षीय समझौते के मुताबिक लीज डीड की शर्तों पर आराफ़ात पेट्रो केमिकल्स प्रा.लि.को दिया गया था जिसमे अन्य शर्तों के अतिरिक्त यह शर्त भी निहित थी, कि लीज डीड के इस एक वर्ष के भीतर फैक्ट्री को चलाया जाकर श्रमिकों को रोजगार व उनके वेतन व भत्ते दिया जाना निश्चित किया गया था।

जे के फैक्ट्री नये उद्योग को संचालित किये जाने के लिए यह सभी प्लांट एवं मशीनरी सहित फैक्ट्री आराफ़ात पेट्रो केमिकल्स प्रा. लि. को दिया गया था। जिसमे यह शर्त भी शामिल थी, कि जे के मजदूरों का भुगतान व बकाया ड्यूज एवं उन्हें देय लाभ व रोजगार उपलब्ध कराया जावे। जिसकी कोई पालना आराफ़ात ग्रुप ने नहीं कि ओर उन शर्तो को जिन्हे कि आधारित करते हुए लीज डीड जारी कि गई उनकी भी पालना नहीं कि गई, बल्कि फैक्ट्री कि करोड़ों रुपयों कि मशीनों को चौरी करके खुर्दबुर्द कर दिया गया।

'खुदरा किराना व्यापार संकट के दौर में, सरकार मांगों पर दे ध्यान'

कोटा, (निसं)। खुदरा किराना विक्रेता संघ की और से दो दिवसीय अधिवेशन का आगाज शनिवार को माहेश्वरी भवन झालावाड़ रोड पर हुआ। 30 अगस्त को कार्यकारिणी की मीटिंग की गई जिसमें नई कार्यकारिणी का चयन किए जाने पर चर्चा हुई। राष्ट्रीय मीडिया प्रवक्ता जयदेव सुखेजा ने बताया कि 31 अगस्त को आयोजित अधिवेशन के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे।

विशिष्ट अतिथि विधायक कोटा उत्तर शांति धारीवाल, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरेन्द्र नागर, ऑल इंडिया रिटेलर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमकार गोयल रहेंगे। मीडिया से बातचीत में अध्यक्ष ओमकार गोयल ने कहा कि खुदरा किराना व्यापार संकट के दौर से गुजर रहा है, सरकार को हमारी माांगों पर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दो लाख से अधिक काउंटर बंद हो चुके हैं और आगे भी बंद होने की कगार पर हैं। उन्होंने कहा कि देश की रीढ़ की हड्डी इस व्यापार को बंद किया जा रहा है, जिसे सरकार को बचाने की आवश्यकता है।

गोयल ने कहा कि व्यापारी परेशान किया जा रहा है। हिंदुस्तान का वर्क कल्चर खत्म होता जा रहा है। देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाना है तो खुदरा किराना व्यापार को बचाना होगा, साथ ही यूथ के टेलेंट को बाहर जाने से रोकना होगा।

जीएसटी को लेकर कहा कि छोटी दुकान हैं उनका टैक्स एक प्रतिशत से कम कर उसे 0.25 किया जाऐं। एफएसीसीआई की लिमिट को 12 लाख से बढ़ाकर 25 लाख से अधिक किया जाए। एक ही बार लाइसेंस बनाया जाना चाहिऐं।

ऑनलाईन से रिटेल व्यवसाय कम हुआ, मनमानी पैकिंग पर रोक लगे:- प्रदेश अध्यक्ष रामविलास जैन ने कहा कि ऑन लाईन से रिटेल व्यापार पर फर्क पड़ा है। एफडीआई पहले 50 प्रतिशत होता था, लेकिन अब 100 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे बेरोजगारी बढ़ी है, बहारी कम्पनी पैसा कमाकर विदेश भेज रही है।

लाइसेंस प्रणाली में वन टाईम फीस ली जाए। रिटेल व्यापारी को बढ़ावा दिया जाए। राजस्थान में 50 हजार से अधिक रिटेल व्यापारी है, जो 5 लाख लोगों को प्रभावित करते हैं, सरकार हमारी मागों पर ध्यान दे, नहीं तो इसका विरोध किया जाएगा। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि कम्पनियां ऑनलाईन ठगी कर रही है। उपभोक्ता के पास माल कम पहुंच रहा है। सरकार को स्टेंडर्ड पैकिंग करनी चाहिए, मनमानी पैकिंग पर रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापारी पर अनावश्यक पैनल्टी लगा रही है, कम्पनियों पर सरकार को कंट्रोल करना होगा।

कोटा जिला अध्यक्ष द्वारका प्रसाद खंडेलवाल ने कहा कि कोटा में शिक्षा नगरी आधी रह गई, कभी फूड एक्ट, कभी सेफ्टी एक्ट, कभी वेट का भार लादा जा रहा है।

महामंत्री गिरिराज विजयवर्गीय एवं कार्यक्रम संयोजक संदीप जैन ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी का गठन होगा, शपथ ग्रहण समारोह होगा और व्यापारियों को जो समस्या आ रही है, उन पर चिंतन, मनन होगा और उसके बाद एक मांग पत्र बनाया जाएगा जो सरकार को सौंपा जाएगा ताकी हमारी मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार कर आ रही समस्याओं को दूर करें।

कोटा में खुदरा किराना विक्रेता संघ का अधिवेशन आयोजित हो रहा है।

विजेताओं को पुरस्कृत किया

बूंदी (निसं)। मेरा युवा भारत केंद्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। फिट इंडिया अभियान के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रथम दिवस कबड्डी व खो-खो की प्रतियोगिताएं हुई, जिसमें विभिन्न गाँवों व क्षेत्रीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर स्व खेल-प्रतिभा को जिला स्तरीय मंच पर परिलक्षित किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अशोक डोगरा रहे। अध्यक्षता जिला खेल अधिकारी हर्षवर्धन सिंह चुंडावत ने की। विशिष्ट अतिथि जिला युवा अधिकारी सचिन पाटोदिया, केन्द्र के बालूलाल वैष्णव रहे। अतिथियों ने मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि डोगरा ने कहा कि प्रधानमंत्री की फिट इंडिया मुहिम से युवाओं की खेलों की प्रति जागरूकता बढ़ी है, खेलों से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता हैं।

नाम परिवर्तन

पूर्व में मेरा नाम सुधा पत्नि जुगल किशोर शर्मा था अब मैंने अपना नाम बदलकर सुधा शर्मा (SUDHA SHARMA) रख लिया है। भविष्य में मुझे सुधा शर्मा के नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-सुधा शर्मा, 304 हाडा संगम रेस्टोरेन्ट की गली, गुमानपुरा, कोटा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि अचल सम्पत्ति भूखण्ड संख्या ए-14 (जिस पर वर्तमान में दुकान निर्मित है) वाके सब्जीमण्डी व्यवसायिक किरायेदार पुनर्वास योजना कोटा (राजस्थान) में स्थित हैं. उक्त भूखण्ड को नगर विकास न्यास कोटा द्वारा आवंटित श्री मुकेश शनगत के पक्ष में जरिये आवंटन पत्र दिनांक 17.08.2021 को किया गया था तत्पश्चात् मुकेश शनगत का स्वर्गवास हो गया, एवं मुकेश शनगत के स्वर्गवास के पश्चात् उनके विधिक वारिसान् श्रीमती गायत्री पत्नि स्व. मुकेश शनगत, सोनू, गणेश, विक्रम पुत्रान् स्व. मुकेश शनगत एवं गौरी पुत्री स्व. मुकेश शनगत उक्त भूखण्ड के संयुक्त रूप से मालिक व काबिज हो गये, तत्पश्चात् नगर विकास न्यास कोटा द्वारा श्रीमती गायत्री, सोनू, गणेश, विक्रम एवं गौरी के पक्ष में जरिये रजिस्ट्रर्ड पट्टा विलेख (लीज डीड) दिनांक 16.08.2023 जिसका नवीनीकरण दिनांक 06.09.2024 और पंजीयन दिनांक 06.02.2025 का जारी किया गया हैं, तत्पश्चात् श्रीमती गायत्री, सोनू, गणेश, विक्रम एवं गौरी ने उक्त भूखण्ड संख्या ए-14 (जिस पर वर्तमान में दुकान निर्मित हैं) का बेचान करने का करार श्रीमती सीमा चिमनानी से कर लिया हैं। जिस बाबत् मेरी अभिभाष्या श्रीमती सीमा चिमनानी पत्नि श्री भागचन्द चिमनानी वित्तीय संस्था LIC Housing Finance Ltd. से ऋण ले रही हैं, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालीकाना हक स्वामित्व, कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक : 30.08.2025

For : SRM PARTNERS
Office : 127, Santwani Sadan, Ballabh Bari, Kota M.: 7737426847

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु ई- निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/94/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई- खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाए आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएगे। पूर्ण/विनिर्देश के लिए वेबसाईट "website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र सं.	टेंडर नं.	संक्षिप्त विवरण	निविदा की मात्रा	नियत तारीख
1	30255005	किट फॉर मोडिफिकेशन ऑफ जंक्शन बॉक्स असेंबली इन knorr bremse मेक LHB कोचेस.	108 सेट	15.9.2025
2	30255006	किट फॉर मोडिफिकेशन ऑफ जंक्शन बॉक्स असेंबली इन Faiveleyh मेक LHB कोचेस.	78सेट	17.9.2025
3	38252428A	Modified बिअरिंग piece असेंबली फॉर सिंगल piece uncoupling गियर.	39259 नंबर	24.9.2025
4	40252757	60 KVA ट्रांसफार्मर	27 नंबर	24.9.2025
5	10255218	सप्लाई इंस्टालेशन, commissioning एंड टेस्टिंग आफ वीडियो/ऑडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम.	53 सेट	25.9.2025
6	20254110	सेट ऑफ labyrinth एंड बिअरिंग कैप	288 सेट	26.9.2025
7	20252096	IOH किट	63 सेट	30.9.2025
8	61254579	टूल किट बैग फॉर ट्रैक maintainers	16692 नंबर	30.9.2025
9	38252273	टॉप साइड बियरर लाइनर	18721 नंबर	07.10.2025

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता.)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में प्रदर्शन आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान बन चुका है। जब कोई खिलाड़ी पदक जीतता है तो वह सम्मान केवल खिलाड़ी या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे 140 करोड़ भारतीयों का होता है। - रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री, खिलाड़ियों के सम्मान व उचित अवसर देने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **रविचंद्रन अश्विन**

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा के बाद, रविचंद्रन अश्विन एक स्वतंत्र पक्षी के रूप में उभरे हैं, जो नए रास्ते तलाशने के लिए तैयार हैं। खबर है कि वह दोहरी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं - कोच-सह-खिलाड़ी के रूप में खुद को परखने के लिए। अश्विन के पास अभी भी बहुत कुछ करने को बाकी है और अभी उनका प्रदर्शन बाकी है। 38 साल की उम्र में, वह अभी भी बहुत आगे नहीं बढ़े हैं; आखिरकार, एमएस धोनी उनसे छह साल बड़े हैं और अभी भी मज़बूती से खेल रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत के पास एशिया कप के इतिहास में रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत हासिल करने का रिकॉर्ड है। भारत ने हॉन्ग कॉन्ग को 256 रनों के बड़े अंतर से हराकर ये रिकॉर्ड बनाया था।

आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स से अलग हुए द्रविड़

जयपुर, 30 अगस्त। आईपीएल 2026 से पहले राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का साथ छोड़ दिया है।फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में टीम के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फ्रेंचाइजी ने उन्हें एक बड़ी भूमिका की पेशकश की थी जिसे द्रविड़ ने स्वीकार नहीं किया। आरआर ने अपने बयान में कहा, ''राहुल द्रविड़ का राजस्थान रॉयल्स के साथ एक लंबा और गहरा रिश्ता रहा है। उन्होंने टीम को कई सालों तक मार्गदर्शन दिया। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक पूरी पीढ़ी को तैयार किया गया। उन्होंने टीम में मजबूत मूल्यों को स्थापित किया और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी।

''फ्रेंचाइजी की संरचनात्मक समीक्षा के हिस्से के रूप में राहुल को फ्रेंचाइजी में एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं करने का फैसला किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को दिल से धन्यवाद देते हैं।''

आईपीएल 2025 का सीजन राहुल द्रविड़ के लिए व्यक्तिगत रूप से भी काफी चुनौतीपूर्ण रहा था। उन्हें पैर में चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक व्हीलचेयर पर रहना पड़ा, हालांकि वह टीम को कोचिंग देते रहे। इस सीजन द्रविड़ की कोचिंग में आरआर 14 में से सिर्फ चार ही मैच जीत पाई और नौवें स्थान पर रही। बतौर खिलाड़ी द्रविड़ 2011 में आरआर के साथ जुड़े थे। 2014 और 2015 में बतौर मेंटॉर आरआर को अपनी सेवा देने से पहले द्रविड़ 2012 और 2013 में भी आरआर का बतौर खिलाड़ी हिस्सा रहे थे।

आरआर का साथ छोड़ने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और अब आरआर बिना मुख्य कोच के हैं। पिछले महीने चंद्रकांत पंडित केकेआर से अलग हो गए थे। आरआर के पास इस समय कुमार संगकारा बतौर क्रिकेट निदेशक, विक्रम राठौर बल्लेबाजी कोच और शेन बॉन्ड गेंदबाजी कोच के रूप में मौजूद हैं। 2008 के बाद से ही आरआर ने कोई आईपीएल खिताब अपने नाम नहीं किया है। उनके दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आईपीएल 2022 में आया था जब गुजरात टाइटंस के हाथों उन्हें फाइनल में हार मिली थी।

तोपची बनाम जेआरपीसी के बीच होगा चैलेंजर का फैसला

जयपुर, 30 अगस्त। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी में रोमांचक पोलो मुकाबले जारी हैं। टीम जाजू पोलो ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। ध्रुव ने अपनी विशिष्ट कुशलता से स्कोरबोर्ड पर बढ़त बनाई, जबकि नए खिलाड़ी स्वास्तिक और अमित ने अपने तीखे खेल और सहज समन्वय से प्रभावित किया। टीम बिंदायका ने जोरदार मुकाबला किया, जिसमें महेंद्र और नरेंद्र ने जयवीर का अच्छा साथ दिया, लेकिन जाजू पोलो ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए 9-5 से जीत हासिल की। दूसरे मैच में, टीम तोपची (आर्टिलरी - भारतीय सेना) ने कैप्टन प्रिंसपाल और लेफ्टिनेंट कर्नल गौतम के शानदार खेल की बदौलत टीम आरवीसी को 7-4 से हराया। टीम आरवीसी के संतोष और पांडा ने कड़ी टक्कर दी, खासकर अंतिम चक्कर में, लेकिन स्कोरलाइन को पलट नहीं पाए। टीम तोपचीऔर टीम जेआरपीसी के बीच एक मैच शेष रह गया है, अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ग्रैंड फिनाले में जाजू पोलो को कौन चुनौती देगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारत दौरे पर आएगी पाक टीम

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम भारत आएगी। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने शनिवार को कहा, पाकिस्तान ने तमिलनाडु में होने वाले इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए अपनी जूनियर टीम भेजने पर सहमति दे दी है।

वर्ल्ड कप तमिलनाडु के मदुरई और चेन्नई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा। दूसरी ओर, भारत में चल रहे सीनियर हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम ने भारत आने से मना कर दिया था। वहां की सरकार ने सुरक्षा कारणों से अपना नाम वापस लिया था।

भारत-पाकिस्तान पूल बी में हॉकी एशिया कप से पाकिस्तान के हटने के बाद, जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता थी। हालांकि, अब कन्फर्मेशन के बाद टूर्नामेंट तय शेड्यूल पर हो सकेगा। भारत और पाकिस्तान को चिली और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है।

महासचिव ने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन से बात की टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर भोलानाथ ने कहा, पाकिस्तानी टीम जूनियर विश्व कप के लिए भारत आ रही है। उन्होंने कल रात हमें इसकी पुष्टि की। मैंने उनसे उनकी उपलब्धता के बारे में पूछा था, क्योंकि उन्होंने मौजूदा एशिया कप से हटने का फैसला किया था। दरअसल, हॉकी एशिया कप में खेलने से इनकार के बाद संदेहजताया गया था कि क्या पड़ोसी देश की टीम नवंबर-दिसंबर में दक्षिण भारतीय शहरों चेन्नई और मदुरई में आयोजित होने वाले जूनियर विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करेगी। हालांकि, अब साफ हो गया है कि पाकिस्तान की टीम भारत का दौरा करेगी।

21 सितंबर को भारत सरकार ने मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी पिछले हफ्ते, भारत सरकार ने नई स्पोर्ट्स पॉलिसी में पाकिस्तान के साथ मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में भारत को खेलने की इजाजत दी थी। इसमें कहा गया कि भारतीय एथलीट्स और टीमों को उन अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने दिया जाएगा, जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी हों। हालांकि, भारत पाकिस्तान में होने वाले किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगा, साथ ही दोनों देशों के बीच कोई भी द्विपक्षीय सीरीज या मैच नहीं होंगे।

हैण्डबॉल खिलाड़ी हर्ष ब्रह्मभट्ट ने जीता योगा का खिताब

तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का आज होगा समापन

जयपुर, 30 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में सवाई मानसिंह स्टेडियम में योगा और वालीबॉल खेल का आयोजन किया गया। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि योगा खेल में बालक वर्ग में हैण्डबॉल खिलाड़ी हर्ष ब्रह्मभट्ट और बॉक्सिंग खिलाड़ी तरूण ने पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में एथेलेटिक्स खिलाड़ी कविता और जिम्नास्टिक खिलाड़ी काव्या कुमावत प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किया। उन्होनें बताया कि वालीबॉल खेल में पुरूष वर्ग में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने पहला और सुभाष चंद्र बोस ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार महिला वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई विजेता और सरोजनी नायडू उपविजेता रही। उन्होनें बताया कि 31 अगस्त को प्रात: सात बजे साईक्लिंग स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। रविवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का समापन होगा। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा मुख्य अतिथि होगें।

अजेय बढ़त के साथ सेंट्रल जोन और नॉर्थ जोन का सेमीफाइनल में पहुंचना तय

बेंगलुरु 30 अगस्त। सेंट्रल जोन और नॉर्थ जोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विशाल बढ़त के साथ दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइलन में जगह लगभग पक्की कर ली है। दोनों टीमों ने पहली पारी में भी बढ़त हासिल की थी और अब विशाल बढ़त के साथ उनका अंतिम चार का दावा भी मजबूत हो गया है।

शुभम शर्मा (122) की शतकीय तथा यश राठौड़ (78) और कप्तान रजत पाटीदार (66) रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत सेंट्रल जोन ने क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन शनिवार को अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 331 का स्कोर घोषित करने के बाद नॉर्थ ईस्ट जोन को जीत के लिए 679 रनों का लक्ष्य दिया है। नॉर्थ ईस्ट जोन ने कल के सात विकेट पर 168 रन से आगे खेलना शुरु किया और उसकी टीम महज 17 रन जोड़ कर अपने तीनों विकेट 185 के स्कोर पर गंवा दिये। सेंट्रल जोन के लिए आदित्य ठाकरे ने तीन विकेट लिये। खलील अहमद और हर्ष दुबे को दो-दो विकेट मिले। दीपक चाहर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने तेजी के साथ रन बटोरे और दिन का खेल समाप्त होने के समय 80.3 ओवर में सात विकेट पर 331 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। शुभम शर्मा ने 215 गेंदों में 17 चौके लगाते हुए 122 रनों की पारी खेली। रजत पाटीदार ने 72 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए 66 रन बनाये। यश राठौड़ ने 83 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए 78 रनों की पारी खेली। नॉर्थ ईस्ट जोन के लिए आकाश चौधरी और विश्वोर्जित सिंह ने दो-दो विकेट लिये। फिरोइजम सिंह और अंकुर मलिक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में कप्तान अंकित कुमार (नाबाद 168) और यश ढुल (133) की शतकीय पारियों की बदौलत नॉर्थ जोन ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय दो विकेट पर 388 रन बना लिये है और उसने कुल बढ़त 563 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां नॉर्थ जोन ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत शुभम खजुरिया और अंकित कुमार की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 17वें ओवर में सूरज सिंधु जायसवाल ने शुभम खजुरिया (21) को बोल्ड कर ईस्ट जोन को पहली सफलता दिलाई।

एशिया कप से पहले फिटनेस टेस्ट के लिए गिल रवाना

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। शुभमन गिल फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) जा रहे हैं। एशिया कप से पहले, भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उप-कप्तान शुक्रवार (29 अगस्त) शाम को अनिवार्य मूल्यांकन के लिए बेंगलुरु पहुंच गए हैं, जो एशिया कप जाने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य है। यह स्पष्ट नहीं है कि गिल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्र में फिटनेस टेस्ट कब देंगे, लेकिन संभवत: यह अगले कुछ दिनों में होगा।

संभावना है कि गिल एशिया कप के लिए बेंगलुरु से सीधे यूएई के लिए उड़ान भरेंगे। गिल हाल ही में अस्वस्थ थे और चंडीगढ़ में आराम कर रहे थे, यही वजह थी कि उन्हें दलीप ट्रॉफी अंतर-क्षेत्रीय लाल गेंद प्रतियोगिता में भाग नहीं लेना पड़ा। ठीक होने के बाद, उन्होंने शुक्रवार को बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने से पहले कुछ दिनों के लिए अपने गृहनगर में अभ्यास शुरू किया।

इस बीच, भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई में एकत्रित होगी। खिलाड़ी आमतौर पर अभ्यास के दौरान एक ही स्थान से एक साथ नहीं निकलेंगे, बल्कि अपने-अपने बेस से अलग-अलग उड़ान भरेंगे और पहले अभ्यास सत्र के लिए समय पर दुबई पहुँचेंगे।

ऐसा माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन ने पहला नेट सत्र 5 सितंबर के लिए निर्धारित किया है। हालांकि नेट अभ्यास के लिए स्थान अभी तक तय नहीं किया गया है, लेकिन पूरी संभावना है कि यह दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अपने सफल चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के दौरान इसी स्थान पर प्रशिक्षण लिया था। हाल ही में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज समाप्त करने के बाद, भारतीय टीम ट्वेंटी-20 प्रारूप में अभ्यास में कम रही है। हालांकि, भारत के अलावा, बाकी सभी टीमों ने तैयारी शुरू कर दी है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई शारजाह में त्रिकोणीय सीरीज में भाग ले रहे हैं।

राजधानी

देर रात जयपुर में तेज बारिश

जयपुर । राजधानी जयपुर में शनिवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। बिजली की गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश ने करीब आधे घंटे में ही शहर की सड़कों पर जगह-जगह पानी भर दिया। हालांकि पिछले 2 दिनों से शहर में बूंदाबांदी के कारण उमस बढ़ गई थी, इस कारण लोगों का जीना दूभर हो रहा था। शनिवार शाम जैसे ही अचानक मौसम में बदलाव आया और तेज बारिश शुरू हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि सड़कों पर पानी भरने के कारण पैदल राहगीरों व दुपहिया-चौपहिया वाहन चालकों को आवाजाही में भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। उधर बारिश के कारण शहर में जर्जर पड़ी सड़कों की हालत और भी ज्यादा खराब हो गयी है।

जलेब चौक से जुड़ी संपत्ति के स्वामित्व को लेकर एस.एम.एस. म्यूजियम ट्रस्ट की अपील खारिज हुई

जयपुर । महानगर द्वितीय के जिला न्यायालय ने शहर के जलेब चौक के साइकिल स्टैण्ड सहित अन्य संपत्तियों पर कब्जे और स्वामित्व से जुडे मामले में सवाई मानसिंह द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट की अपील को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी रीटा तेजपाल ने इस मामले में अपर सिविल न्यायालय उत्तर, महानगर द्वितीय के 12 सितंबर 2024 को दिए गए आदेश को बरकरार रखते हुए उसे सही माना है।

अपील में सिविल न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए ट्रस्ट ने कहा था कि इस समान मुद्दे पर अन्य कोर्ट ने ट्रस्ट के पक्ष में आदेश दिया था। इसलिए सिविल न्यायाधीश का आदेश खारिज किया जाए। इस मामले में निचली अदालत ने ट्रस्ट का दावा खारिज करते हुए कहा था कि जब कोवेनेंट की शर्त के अनुसार जलेब चौक के रखरखाव का अधिकार ट्रस्ट को नहीं था तो उसने किस कानूनी अधिकार के तहत इस संपत्ति को लाइसेंसधारियों को लाइसेंस पर दिया। ट्रस्ट ने दावे में दावे में कहा कि जयपुर रियासत के पूर्व शासक स्वर्गीय महाराजा सवाई मानसिंह बहादुर ने अपने जीवनकाल 1959 में इस ट्रस्ट का गठन किया था। साल 1972 में ट्रस्ट के चेयरमैन सवाई भवानी सिंह ने ट्रस्ट को जलेब चौक सहित अन्य संपत्तियां दी थी। ट्रस्ट ने जलेब चौक की खाली जमीन को लाइसेंस पर अन्य लोगों को दिया था।

ये संपत्ति ट्रस्ट की निजी संपत्तियां हैं और इन पर राज्य सरकार, नगर निगम या अन्य सरकारी विभागों का कोई हक नहीं है। इस संपत्ति पर वादी के लाइसेंसधारी थडी व टीन शेड लगाकर अपना जीविकोपार्जन कर रहे हैं, लेकिन 28 जून 1994 को नगर निगम के कर्मचारियों ने इन्हें हटाने और उनका सामान जब्त करने की चेतावनी दी। वहीं अगले दिन निगम ने निर्माण ध्वस्त कर दिए। इस पर ट्रस्ट ने निगम का कब्जा रोकने के लिए वहां अपने सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए। इसलिए नगर निगम को पाबंद किया जाए कि वह संपत्ति पर कब्जा नहीं करे और वादी को बेदखल नहीं करे। जवाब में नगर निगम का कहना था कि जयपुर रियासत के राज्य सरकार में विलय के समय इसका सरकारी उपयोग करने के लिए कब्जा सरकार को दिया गया था। वहीं कोवेनेंट के आधार पर सरकार ही इसकी सार-संभाल कर रही है। जलेब चौक व उसके चारों ओर के भवन राज्य सरकार के कब्जे व अधिकार में हैं। यहीं पर श्रम विभाग, पुलिस विभाग, बिक्री कर विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जागीर विभाग, परिवहन विभाग व नगर निगम का ऑफिस भी है। यहां राज्य सरकार का कब्जा लगातार रहा है।

चॉकलेट का झांसा देकर 6 वर्षीय बच्ची का अपहरण और दुष्कर्म

जयपुर । गलतागेट इलाके में पड़ोस में रहने वाले बदमाश ने घर के बाहर खेल रहीं 6 वर्षीय मासूम बच्ची को चॉकलेट का झांसा देकर उसे उठा कर ले गया और कारखाने में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद बच्ची रोती-बिलखती अपने घर पहुंची। माँ के पूछने पर बच्ची ने पडौस वाले लड़के की हरकतों के बारे में बताया। जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने नाबालिग को थाने ले जाकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पिता की शिकायत पर पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। मामले की जांच कर रहे एडिशनल डीसीपी देवी सहाय मीणा ने बताया कि गलतागेट के रहने वाले पीड़ित पिता ने पडौस में रहने वाले लडके के खिलाफ नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया है। आरोप है पडौस में रहने वाला युवक चॉकलेट दिलाने का झांसा देकर उसे कारखाने के अंदर ले गया और वहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया।

युवक की मौत

जयपुर। आमेर इलाके में शुक्रवार देर रात बाइक से सड़क पार रहे एक युवक को कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल युवक को स्थानीय लोग एसएमएस लेकर गए। लेकिन खून अधिक बहने से युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को शनिवार सुबह मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

सार-समाचार

साइक्लोथॉन-5 के पोस्टर का विमोचन

जयपुर । मारवाड़ी युवा मंच का साइक्लोथॉन-5 का आयोजन 31 अगस्त 2025 को होगा। इसी कड़ी में कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन शनिवार को ज्वैलर्स एसोसिएशन भवन में किया गया। इस मौके पर ज्वैलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला, सचिव नीरज लूनावत, पूर्व अध्यक्ष डी.पी. खंडेलवाल, तथा मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक अध्यक्ष केदार गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मनीष खंडेलवाल और कार्यक्रम संयोजक राहुल रावत उपस्थित रहे। साइक्लोथॉन का उद्देश्य स्वास्थ्य, फिटनेस एवं जनजागरूकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।

अवान्स फाइनेंशियल का बीमा करार

जयपुर (कासं)। शिक्षा-केंद्रित प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनएफबीसी) अवान्स फाइनेंशियल सर्विसेज़ ने भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एचडीएफसी लाइफ के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत, एचडीएफसी लाइफ अवान्स के एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन लोन (ईआईएल) ग्राहकों को रिटेल और ग्रुप क्रेडिट लाइफ इंश्योरेंस समाधान प्रदान करेगा। अमित गैंदा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, अवान्स फाइनेंशियल सर्विसेज़ ने कहा, अवान्स फाइनेंशियल सर्विसेज़ में हम हर छात्र के लिए शिक्षा फाइनेंसिंग को सुलभ और किफायती बनाने और भारतीय शिक्षा वितरण प्रणाली की वृद्धि को तेज़ करने का प्रयास करते हैं। एचडीएफसी लाइफ के साथ हमारी साझेदारी हमारे ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण के अनुरूप है और हमारे एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन लोन ग्राहकों के लिए वित्तीय सुरक्षा फ्रेमवर्क को और सुदृढ़ करेगी। व्यापक सुरक्षा समाधानों को हमारे प्रस्तावों में सम्मिलित करके, हम संस्थानों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाना चाहते हैं, जबकि हम उनकी वित्तीय स्थिरता और लंबी अवधि की मजबूती सुनिश्चित करते हैं।

हवाई सेवाओं की नई उडान से विकास के सफर पर राजस्थान

अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के विस्तार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध राजस्थान हर साल लाखों पर्यटकों का स्वागत-सत्कार कर 'पधारो म्हारे देश' की अपनी परम्परा को साकार कर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हो रहे हवाई सेवाओं के विस्तार से राज्य के पर्यटन और आर्थिक विकास को नई दिशा मिली है। हवाई सेवाएं केवल पर्यटकों को ही नहीं, बल्कि व्यापारियों, निवेशकों और छात्रों को भी राज्य से जोड़ती हैं, जिससे राजस्थान व्यापार और निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है।

कोटा-बूंदी ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 19 अगस्त को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा 1 हजार 507 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा विकसित करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (ए.ए.आई) के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके निर्माण के लिए ए.ए.आई को 440.65 एकड़ भूमि प्रदान की गई है। इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट में यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेगी। परियोजना के अनुसार इस हवाईअड्डे में ए-321 श्रेणी के विमानों का संचालन किया जाएगा। वहीं, 20 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में एक टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा, जो व्यस्त समय के दौरान 1 हजार यात्रियों (पीएचपी) को संभालने में सक्षम होगा और जिसकी प्रति वर्ष यात्री वहन क्षमता बीस लाख (एमपीपीए) होगी।

प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट मील का पत्थर साबित होगा। इस ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण से प्रदेश में न केवल पर्यटन को गति मिलेगी अपितु शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में भी इजाफा होगा। इसके साथ ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी अपेक्षित गति मिलेगी।

हवाई पट्टियों की भूमि लीज आवंटन नीति

23 अगस्त को आयोजित हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य सरकार द्वारा विमानन क्षेत्र के विस्तार के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसके अंतर्गत एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों को बढ़ावा देने, वर्तमान में कम उपयोग में आ रही हवाई पट्टियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और एडवेंचर ट्यूरिज्म को प्रोत्साहन देने के लिए ''एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों हेतु हवाई पट्टियों की भूमि लीज आवंटन नीति'' को मंजूरी दी गई है। इस नीति से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हांगे, साथ ही राज्य के राजस्व तथा जीडीपी में भी अभिवृद्धि होगी। इस नीति के तहत भूमि का लीज शुल्क 100 रुपये प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष तथा कंसेशन शुल्क 6 लाख रुपये प्रति एयरस्ट्रिप प्रति वर्ष होगा। पहले 5 वर्षो तक दरों में 5 प्रतिशत एवं 6वें से 20वें वर्ष तक 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की जाएगी। लीज अवधि अधिकतम 20 वर्ष की होगी तथा अधिकतम 2000 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की जा सकेगी।

फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल से युवा सपनों को लगे पंख

प्रदेश में विमानन क्षेत्र के विकास एवं युवाओं की इस क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए गत वर्ष किशनगढ़, अजमेर में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (थ्ज्व) की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में भीलवाड़ा की हमीरगढ़ हवाई पट्टी को विकसित करते हुए फ्लाइंग स्कूल खोला जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जरूरी स्वीकृतियां प्रदान कर दी गई हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणाओं के क्रम में भीलवाड़ा, सीकर, झुंझुनू, चूरू, झालावाड, और श्रीगंगानगर की हवाई पट्टियों पर एफटीओ स्थापित करने के लिए भी राज्य सरकार प्रयासरत है।

हवाई सेवाओं विस्तार से आसान हो रही मंजिल

देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करने की दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा जयपुर हवाई अड्डे पर समर्पित राज्य टर्मिनल के निर्माण के लिए 12,778 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है। राज्य सराकर द्वारा जल्द ही टर्मिनल भवन का निर्माण प्रारम्भ किया जाएगा। किशनगढ़ हवाई अड्डे के विकास एवं विस्तार के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को नि:शुल्क भूमि उपलब्ध करवाई गई है। साथ ही, उदयपुर हवाई अड्डे के विकास एवं विस्तार तथा उत्तरलाई (बाड़मेर) में सिविल एन्क्लेव के निर्माण के लिए भी नि:शुल्क भूमि आवंटन प्रक्रियाधीन है।

राजस्थान में पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, औद्योगिक क्षेत्र और शैक्षिक संस्थान बड़ी संख्या में हैं, जिसके दृष्टिगत क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना राज्य के लिए अत्यंत महत्पूर्ण है। वर्तमान में राज्य में तीन हवाई अड्डों से आरसीएस उड़ाने संचालित हैं। राज्य सरकार ने माउंट आबू, सीकर, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा और श्रीगंगानगर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी इस योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा है। इससे प्रदेश में पर्यटन और रोजगार के नये द्वार खुलेंगे। साथ ही, बीकानेर, जोधपुर और किशनगढ़ से मुम्बई, कोलकाता, सूरत और बेंगलुरू जैसे महानगरों के लिए नियमित उड़ानें शुरु किए जाने का भी केन्द्र सरकार से आग्रह किया गया। क्षेत्रीय हवाई संपर्क (आरसीएस) उड़ानों के लिए विमान ईंधन पर वैट को 26 प्रतिशत से घटाकर एक प्रतिशत किया गया है।

प्रदेश में राज्य सरकार की 19 हवाई पट्टियां हैं, जिनकी लम्बाई 3,300 फीट से लेकर 9,800 फीट तक है। इन हवाई पट्टियों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे-फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन, एयर स्पोर्ट्स एवं एमआरओ संचालन आदि के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य में लगभग 118 हैलीपेड हैं। राज्य सरकार द्वारा सभी जिला मुख्यालयों सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों तथा चिकित्सा सहायता एवं इमरजेंसी रेस्पॉन्स के लिए भी अतिरिक्त हैलीपेड का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

निवेश-नीति से बदलेगा विकास का परिदृश्य

राज्य सरकार द्वारा आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट एवं राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स) के तहत विशेष प्रावधान के परिणामस्वरूप में विमानन क्षेत्र में निवेशकों से अब तक 10 से अधिक एमओयू किए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 1500 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। प्रदेश में विमानन क्षेत्र में आधारभूत ढांचे का विकास और क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार की दृष्टि से नागरिक विमानन नीति-2024 जारी की गई। इस नीति में विमानन प्रशिक्षण सुविधाओं, विमानन रखरखाव सेवाओं को बढ़ाने और एयरोस्पेस गतिविधियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने सुरेश रावत के पिता को श्रद्धांजलि दी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जल संसाधन मंत्री रावत के गांव मुहामी पहुंचे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को अजमेर के मुहामी गांव जाकर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के पिता सूरज सिंह को श्रद्धांजलि दी, जिनका हाल ही में निधन हो गया।

■ **स्व. सूरज सिंह रावत को श्रद्धांजलि देने मुख्यमंत्री के साथ केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, देवनारायण ओम प्रकाश भडाना भी थे।**

अजमेर/जयपुर, 30 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को अजमेर के मुहामी गांव जाकर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के पिता सूरज सिंह रावत के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. सूरज सिंह रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने सुरेश सिंह रावत एवं समस्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढ ाढ स बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लालबाग चा राजा के दर्शन किए शाह ने

मुंबई, 30 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मुंबई के प्रसिद्ध गणेश मंडलों में से एक, लालबागचा राजा के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

शाह के साथ उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य लोग मौजूद थे। शाह गणेशोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय दौरे पर मुंबई में हैं।

वह लालबागचा राजा के दर्शन करने से पहले फडणवीस के आवास ''वर्षा'' पर भी गए और भगवान गणेश के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना की।

■ **लालबाग चा राजा मुम्बई के प्रसिद्ध गणेश पंडालों में से एक है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह गणेश उत्सव पर दो दिन के दौरे पर मुंबई में हैं।**

शाह हर साल अपने परिवार के साथ लालबागचा राजा के दर्शन करने आते हैं।

उन्होंने आज दोपहर दक्षिण मुंबई स्थित राज्य सरकार के सह्याद्री गेस्ट हाउस में एक बैठक की। इस दौरान उन्होंने उप मुख्यमंत्री शिंदे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संयुक्त महासचिव अतुल लिमये, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और मुंबई भाजपा प्रमुख अमित साटम से भी बातचीत की।

शाह गणपति दर्शन के लिए राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार के आवास पर भी गए और बाद में वह उपनगरीय मुंबई के अंधेरी इलाके में एक गणपति पंडाल में गए।

बिहार की सही की गई वोटर लिस्ट में 67,826 संदिग्ध ''डुप्लीकेट'' मतदाता पाए गए

रिपोर्टर्स कलैक्टिव ने 15 चुनाव क्षेत्रों की वोटर लिस्ट की जांच के बाद यह खुलासा किया

■ **इस खुलासे से चुनाव आयोग के शुद्ध की गई वोटर लिस्ट के दावे और निष्पक्ष व स्वच्छ चुनाव करवाने की चुनाव आयोग की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।**

■ **जो 67,826 डुप्लीकेट वोटर्स हैं उनमें से 34,392 डुप्लीकेट मतदाता ऐसे हैं जिनका ब्यौरा भी एक जैसा है।**

■ **उदाहरणार्थ, त्रिवेणीगंज की 20 वर्षीय अंजलि का नाम एक ही बूथ पर दो बार रजिस्टर्ड है। उसके पास दो वोटर आई.डी. नम्बर हैं पर बाकी डिटेल समान हैं।**

■ **लौकहा विधानसभा सीट के 19 साल के अंकित कुमार का नाम भी एक ही बूथ पर दो बार है। बिस्फी सीट की 26 साल की अंजुम शेख का नाम भी दो बार है, पर दो अलग-अलग बूथों पर।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भारत के चुनाव आयोग (ई.सी.आई.) की ''शुद्ध की गई'' बिहार की मतदाता सूची पर हुई एक चौंकाने वाली जांच ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का खुलासा किया है। इससे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

द रिपोर्टर्स कलैक्टिव ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया है कि सिर्फ 15 विधानसभा क्षेत्रों में ही 67,826 संदिग्ध डुप्लीकेट वोटरों के मामले पाए गए हैं। इन सभी में लगभग एक जैसी जानकारी दर्ज है। यह खोज चुनाव आयोग के ''साफ की गई की गई मतदाता सूची'' के दावे पर सवाल खड़ा करती है।

गहराई से जांच करने पर पाया गया कि इनमें से 34,392 मामलों में ऐसे वोटर है जिनके विवरण पूरी तरह से मेल खाते हैं और हर एक के पास दो-दो वोटर आईडी हैं। चुनाव आयोग ने दावा किया था कि सभी डुप्लीकेट नाम हटा दिए गए हैं, लेकिन यह निष्कर्ष उसके दावे को गलत साबित करता है। सीमित संख्या वाले विधानसभा क्षेत्रों में इतनी बड़ी संख्या में डुप्लिकेट वोटरों का बने रहना, मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया में संभावित व्यवस्था संबंधी खामियों की ओर इशारा करता है।

यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब बिहार चुनाव की तैयारी कर रहा है। डुप्लीकेट वोटरों की मौजूदगी चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है और जनता का लोकतंत्र पर भरोसा कम कर सकती है। अब चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ गया है कि वह बताए कि यह गड़बड़ी कैसे हुई।

लेकिन आयोग ने बिहार में हुई ''स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एस.आई.आर.)'' की प्रक्रिया से जुड़े अपने रिकॉर्ड देने से मना कर दिया। जब रिपोर्टर्स-कलैक्टिव ने जानकारी मांगी, तो जवाब में आयोग ने एक लिंक भेज दिया जो मौजूद ही नहीं है।

जांच में सामने आया कि इनमें से 34,392 मामलों में मतदाताओं के विवरण पूरी तरह मेल खाते हैं और उनके पास दो-दो वोटर आईडी हैं। जबकि चुनाव आयोग का दावा है कि ऐसे डुप्लिकेट हटा दिए गए हैं। उदाहरण के लिए चुनाव आयोग ने त्रिवेणीगंज विधानसभा की 20 वर्षीय ''अंजलि कुमारी'' को दो वोटर आईडी जारी कर दी हैं। दोनों पर पति का नाम, उम्र और पता समान है। हैरानी की बात है कि उन्हें एक ही बूथ पर दो बार वोट डालने का अधिकार मिल गया है।

यह गड़बड़ी चुनाव आयोग द्वारा जल्दबाज़ी में किए गए ''स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एस.आई.आर.)'' का नतीजा है।

एस.आई.आर. एक अभूतपूर्व प्रक्रिया है जिसे चुनाव आयोग उसी रफ्तार और उसी तरीके से पूरे देश में लागू करने की तैयारी कर रहा है।

बिहार के एक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2 से 3 लाख वोटर हैं। आंकड़ों के हिसाब से केवल कुछ ही मामले ऐसे होने चाहिए जहां दो अलग-अलग व्यक्तियों का नाम, रिश्तेदार का नाम और उम्र लगभग समान हो। लेकिन इस जांच में हर विधानसभा क्षेत्र में हजारों डुप्लीकेट मामले सामने आए हैं।

जब तक चुनाव आयोग इन्हें अंतिम मतदाता सूची से नहीं हटाता, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। लेकिन ऐसा होने की संभावना कम है। दिल्ली मुख्यालय में और राज्य व जिला स्तर पर मौजूद आयोग के अधिकारियों को कंप्यूटर प्रोग्राम और ज़मीनी सत्यापन के ज़रिए ऐसे डुप्लीकेट वोटरों (जिन्हें उनकी भाषा में डेमोग्राफिक सिमिलर एंट्रीज़ कहा जाता है) की पहचान करनी होती है, और यह प्रक्रिया प्रारंभिक मतदाता सूची बनने से पहले पूरी की जाती है। वह चरण अब बीत चुका है और आयोग दावा कर चुका है कि उसने 7 लाख डुप्लीकेट वोटरों को हटा दिया है। इसका मतलब है कि अब इस मामले में और कोई सफ़ाई करने की ज़रूरत नहीं है।

लौकहा विधानसभा क्षेत्र में 19 वर्षीय अंकित कुमार का नाम दो बार दर्ज है। उनके पिता का नाम (अनिल महतो) और बूथ नंबर (371) दोनों बार समान हैं, लेकिन उनके पास दो वोटर आईडी नंबर हैं - ज़ैड.क्यू.क्यू. 3191681 और ज़ैड.क्यू.क्यू. 3217643

इसी तरह बिस्फी विधानसभा क्षेत्र में 26 वर्षीय अंजुम शेख का नाम भी दो बार दर्ज है। एक जगह वह बूथ नंबर 91 पर वोटर के रूप में दर्ज हैं, ई.पी.आई.सी. ए.ए.वाय.3361391 के तहत, जहाँ उनके पिता का नाम मो. जावेद शेख लिखा है। वहीं दूसरी बार उनका नाम बूथ नंबर 89 पर दर्ज है, ई.पी.आई.सी. ए.ए.वाय. 3343621 के तहत, और यहाँ पिता का नाम मोहम्मद जावेद लिखा गया है।

मोदी ने जापान के प्र.मंत्री को कीमती पत्थर से बना बाउल सैट भेंट किया

टोक्यो/नयी दिल्ली, 30 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान यात्रा के दौरान जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और उनकी पत्नी को शानदार उपहार भेंट किये जिनमें इशिबा के लिए कीमती पत्थर से बना बाउल का सेट और उनकी पत्नी के लिए पश्मीना शॉल शामिल हैं। चाँदी की चॉपस्टिक्स से सजे विंटेज कीमती पत्थर के बाउल भारतीय कलात्मकता और जापानी पाक कला की परंपरा का अनूठा मिश्रण हैं। चार छोटे बाउल और चाँदी की चॉपस्टिक्स के साथ भूरे रंग के मूनस्टोन से बने बड़े बाउल से सुसज्जित यह सेट जापान के डोनबुरी और सोबा अनुष्ठानों से प्रेरित है। आंध्र प्रदेश से प्राप्त यह मूनस्टोन बेहद चमकीना और प्रेम, संतुलन तथा सुरक्षा का प्रतीक है। बाउल का आधार मकराना संगमरमर है जिसमें राजस्थान की पारंपरिक शैली में अर्ध-कीमती पत्थर जड़े हैं।

मोदी ने ज़ेलेंस्की से फोन पर वार्ता की

पुतिन के द्विपक्षीय मुलाकात से पहले मोदी की वार्ता को महत्वपूर्ण माना जा रहा है

■ **प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ वार्ता में रूस-यूक्रेन संघर्ष, उसके मानवीय पहलू तथा शांति व स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचार हुआ।**

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का पुरजोर समर्थन करता है।

चीन की दो दिन की यात्रा पर आज दोपहर तियांजिन पहुंचे मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। मोदी की चीन में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता होनी है। इस बैठक से पहले जेलेंस्की के साथ मोदी की बातचीत को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत रुस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के समाधान के लिए शुरू से ही बातचीत तथा राजनयिक प्रयासों पर बल देता आया है। मोदी अपनी इस बात को कई बार दोहरा चुके हैं कि यह युद्ध का समय नहीं है।

प्रधानमंत्री ने आज यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने इस संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन देता है।

मोदी ने कहा, राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को आज फ़ोन पर बात करने के लिए धन्यवाद। हमने चल रहे संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

भारत इस दिशा में सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन देता है।

'दुनिया का कोई भी देश भारतीय ड्रोन की टोह नहीं ले पाएगा'

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने देश के सबसे बड़े एयरो इंजन टैस्ट बेड का लोकार्पण करते हुए कहा

■ **यह टैस्ट बैड रेफी एम फाइबर नामक स्टार्ट अप कंपनी ने बनाया है। सिंह ने कंपनी के संस्थापकों विशाल मिश्रा व विवेक मिश्रा की जोरदार सराहना की।**

गौतमबुद्धनगर, 30 अगस्त। बदलती युद्ध रणनीतियों में ड्रोन के प्रयोग को जरुरी बताते हुये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे भारत के ड्रोन की अब अमेरिका और चीन समेत दुनिया का कोई भी देश टोह नहीं ले पायेगा।

सिंह ने गौतमबुद्धनगर में रेफी एम फाइबर प्रा. लि. द्वारा निर्मित देश की सबसे बड़ी एयरो इंजन टेस्ट बेड का लोकार्पण करने के अवसर पर कहा कि बदलती युद्ध रणनीतियों में ड्रोन का प्रयोग अनिवार्य हो गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन रक्षा नीति का अहम हिस्सा हैं और भारत अब इन्हें खुद डिजाइन और निर्माण कर रहा है। भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण से लेकर आज तक कभी भी दबावों के आगे हार नहीं मानी। आत्मनिर्भरता ही भारत की रक्षा और स्वाभिमान का आधार है। रेफी एम फाइबर जैसे स्टार्टअप इसका प्रमाण हैं कि हमारा नारा अब जमीन पर परिणाम दिखा रहा है।

इस मौके पर उन्होंने संस्थान के संस्थापकों विशाल मिश्र और विवेक मिश्रा की उपलब्धि को भारत की नई तकनीकी क्रांति का प्रतीक बताया और कहा कि आज के युवा केवल एक कंपनी नहीं बना रहे, बल्कि रक्षा क्षेत्र में एक नई सोच और दिशा गढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 6-6.5 वर्षों से रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के बावजूद उन्होंने इतनी कम उम्र के युवाओं को इतना बड़ा और इनोवेटिव एस्टेब्लिशमेंट खड़ा करते नहीं देखा। अब जब भारतीय ड्रोन उड़ेंगे तो उन्हें न अमेरिका और न चीन, कोई डिटेक्ट नहीं कर पायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमजोर करते हैं। जैसे ही सामान महंगे हो जाते हैं, उपभोक्ता उन्हें कम खरीदते हैं। इससे अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं की बिक्री घटती है, जो आयात पर बहुत निर्भर हैं और उन्हें ऑर्डर में कटौती करनी पड़ती है। इसके परिणामस्वरूप, हई कमजोर खपत समग्र मांग को घटाती है। राजन का कहना है कि जो अमेरिका प्रोटैक्शन में जो फायदा प्राप्त करता है, वह मांग में कमी के रूप में खो देता है, और यह व्यापार का एक ऐसा समझौता है, जो अंततः खुद के ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

तीसरा, टैरिफ़ विकास को भी धीमा करते हैं। ये लगभग हमेशा बदले की कार्यवाही को प्रेरित करते हैं, और उदाहरण के तौर पर, भारत अमेरिकी कृषि निर्यातों जैसे कि बादाम, सेब या दालों पर उच्च शुल्क लगा सकता है। इससे पहले से ही कम मुनाफे वाले अमेरिकी किसान प्रभावित होंगे। साथ ही, आपूर्ति श्रृंखलाएँ रातों-रात समायोजित नहीं होतीं। यदि भारत से आयात महंगे हो जाते हैं, तो वियतनाम या मैक्सिको में आयात होने में समय लगता है। लॉजिस्टिक देरी होती है और लागत बढ़ जाती है। यह अनिश्चितता निवेश को हतोत्साहित करती है, जबकि कम निर्यात और धीमी उत्पादकता वृद्धि दीर्घकालिक विकास को प्रभावित करती है।

इसी संदर्भ में, राजन टैरिफ़ को ''सैल्फ गोल'' बताते हैं। फुटबॉल में, सैल्फ गोल तब होता है जब एक खिलाड़ी गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल करता है। राजन का संकेत है कि ट्रम्प के टैरिफ़ राजनीतिक दृष्टिकोण से अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि ये व्यापार भागीदारों पर कठोरता का संकेत देते हैं, लेकिन आर्थिक दृष्टिकोण से ये उल्टा असर डालते हैं, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं, किसानों और व्यवसायों को होने वाला नुकसान टारगैट किए गए देशों को होने वाले नुकसान से अधिक होता है। प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के बजाय, ये अमेरिकी जनता पर कर लगा देते हैं और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अस्थिर करते हैं।

राजन और कई मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों के लिए, टैरिफ़ भोंथरे हो चुके और पुराने औज़ार हैं। ये शॉर्ट टर्म राजनीति में प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन वे दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करते हैं क्योंकि ये दक्षता और नवाचार को हतोत्साहित करते हैं। उनका बड़ा संदेश यह है कि अमेरिका को टैरिफ़ दीवारों के पीछे छिपने के बजाय, घरेलू क्षमताओं-कौशल, बुनियादी ढांचा, अनुसंधान और विकास में निवेश करना चाहिए।

'राष्ट्रपति ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसला अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से आएगा।

यह निर्णय उन टैरिफ्स पर केंद्रित है जो ट्रम्प ने अप्रैल में अमेरिका के लगभग सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए थे, साथ ही इससे पहले चीन, मैक्सिको और कैनडा पर लगाए गए शुल्क भी इसके दायरे में आते हैं।

ट्रम्प ने 2 अप्रैल को, जिसे उन्होंने ''मुक्ति दिवस'' कहा, उन सभी देशों पर 50 प्रतिशत तक के ''पारस्परिक टैरिफ'' लगाए जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटे में अर्थात आयात अधिक व निर्यात कम है। और अन्य लगभग सभी देशों पर 10 प्रतिशत का बुनियादी टैरिफ लगाया।

'भारत विश्व के गैर कानूनी घुसपैठियों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय संसाधनों पर बोझ बताया।

इस पर न्यायमूर्ति बागची ने याद दिलाया, राष्ट्रीय सुरक्षा तो ज़रूरी है ही। लेकिन हमारे पास एक साझा सांस्कृतिक विरासत भी है। कृपया इस पर भी सरकार की स्थिति स्पष्ट करें।

भूषण ने गृह मंत्रालय के उस सर्कुलर का हवाला दिया, और कहा जिसमें किसी व्यक्ति को देश से निष्कासित करने से पहले राज्य सरकार द्वारा जांच की बात कही गई है। इस मामले में कोई जांच नहीं हुई, फिर भी महिला को बाहर कर दिया गया गया।''

एक काल्पनिक स्थिति पर विचार करते हुए न्यायमूर्ति बागची ने पूछा, मान लीजिए कि किसी व्यक्ति पर संदेह है और पुलिस फॉरेनर्स एक्ट के तहत एफ आई आर दर्ज करती है। क्या ऐसे में व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया जा सकता?

भूषण ने स्वीकार किया कि एफ आई आर की स्थिति में हिरासत संभव है, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि हजारों लोग सिर्फ बंगाली बोलने की वजह से हिरासत में लिए जा रहे हैं।

एक बिंदु पर भूषण ने सॉलिसिटर जनरल की टिप्पणी पर आपत्ति जताई, और कहा मिस्टर सॉलिसिटर, आपकी व्यंग्यपूर्ण टिप्पणियाँ यहां काम नहीं आएंगी।

अंत में, पीठ ने केंद्र सरकार को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि कोलकाता हाई कोर्ट में लंबित हीबिस कॉर्पस याचिका जो सोनाली बीबी की नागरिकता से जुडी है, स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ेगी।

मेहता ने इस मामले को रोहिंग्या शरणार्थियों से जुडी याचिकाओं के साथ जोडे जाने का सुझाव दिया और कहा कि यह घुसपैठ की बडी समस्या का हिस्सा है। लेकिन पीठ ने अलग से जवाब देने पर जोर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, आपने संबंधित याचिका में पहले ही जवाब दाखिल किया है। इस याचिका में भी जवाब दाखिल करें। यह एक बहुत जटिल मुद्दा है। कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस मामले की अगली सुनवाई सितंबर में तय की।

'प्रतिबंध के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बजाए कार्य व्यवस्था के नाम पर दूरस्थ स्थान पर कार्य करने में असमर्थ है। ऐसे में विभाग के आदेश को रद्द किया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने याचिकाकर्ता का तबादला करने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

नोबेल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने मोदी को बताया था कि पाकिस्तान उन्हें नोबल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने जा रहा है।ट्रंप ने टेलीफोन पर मोदी से आगे कहा था कि भारत को भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करना चाहिए, लेकिन मोदी ने ऐसा करने से साफ शब्दों में इनकार कर दिया।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक डॉनल्ड ट्रंप की इन बातों से भारतीय नेता भड़क गये। उन्होंने टेलीफोन पर ट्रंप से कहा कि हालिया युद्धिवराम में डॉनल्ड ट्रंप और अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। युद्धिवराम भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर तय किया गया था। इसी के बाद से दोनों नेताओं के बीच के रिश्ते बिगड़ने शुरू हो गये। इसके बाद ही भारत और अमेरिका के बीच चल रही ट्रेड वार्ता बेपटरी हो गई और अंत में अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि उसने ये खुलासा वॉशिंगटन और नई दिल्ली में 12 से ज्यादा अधिकारियों से की गई बातचीत के आधार पर किया है।

इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से ये भी कहा है कि ट्रंप ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान मोदी को वाइट हाउस आने का न्योता दिया था। दरअसल ये एक बड़े प्लान का हिस्सा था, क्योंकि उसी दिन पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर भी वाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर कार्यक्रम में शामिस होने वाले थे।

ट्रंप ने मोदी को वाइट हाउस आमंत्रित किया था और वो चाहते थे कि वाइट हाउस में मोदी और असीम मुनीर के हाथ मिलाने का कार्यक्रम रखा जाए और इंटरनेशनल मीडिया में इसे अमेरिका की जीत की तरह प्रचारित किया जाए।

संसद में स्थापित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के हमारे प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की।''

पाधी ने कहा कि नंदीघोष (भगवान जगन्नाथ), दर्पदलन (देवी सुभद्रा) और भगवान बलभद्र (तालध्वज) के रथों के पहिए दिल्ली ले जाकर ओडिशा की कालातीत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किए जाएंगे।

वार्षिक रथ यात्रा के बाद, देवताओं के तीनों रथों को हर साल खंडित कर दिया जाता है। नंदीघोष रथ के मुख्य बढ़ ई बिजय महापात्र के अनुसार, कुछ प्रमुख भागों को छोड़कर, हर साल रथों के निर्माण में नयी लकड़ी का उपयोग किया जाता है। खंडित रथ के हिस्सों को गोदाम में रखा जाता है, और उनमें से कुछ नीलाम कर दिए जाते हैं, जिनमें पहिये भी शामिल हैं।

''एस.आई. भर्ती'' रद्द करने पर गहलोत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **एस.आई.भर्ती-2021 को रद्द करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा था कि, शिक्षक ग्रेड-2 और वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा 2022 में पेपरलीक को लेकर दर्ज एफ.आई.आर. में, जिस आर.पी.एस.सी. सदस्य का नाम आया था, वह गहलोत सरकार द्वारा नियुक्त आर.पी.एस.सी. सदस्यों से भी पेपरलीक से नकल करके आये अभ्यर्थियों को अच्छे अंक दिलाने की साजिश में लिप्त था।**

हैरानी के बात है कि इन परीक्षाओं की पेपरलीक से संबंधी एफआईआर में आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का नाम था और आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 60 लाख रूपयों में पेपर बेचने की साजिश की थी। इसलिए गहलोत का यह बयान की उन्होंने परीक्षा पेपरलीक के आरोप के कारण रद्द की गई थी, पर हैरानी होती है क्योंकि जिस आरपीएससी सदस्य का पेपरलीक की साजिश में नाम उजागर हो रहा था, उस सदस्य पर कार्यवाही करने या हटाने के संबंध में कोई कदम नहीं उठाया।

यह बयान इसलिए भी चौंकाता है कि अब हाईकोर्ट का फैसला भी कह रहा है कि बाबूलाल कटारा गहलोत सरकार द्वारा नियुक्त आरपीएससी सदस्य मंजू शर्मा और संगीता आर्य से संपर्क में थे और उन्हें अनुचित तरीके से मैरिट लिस्ट में आये अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में अच्छे अंक दिलवाने की साजिश में शामिल थे।

गहलोत ने अपने बयान में अपनी सरकार द्वारा 'चीटिंग' को रोकने के लिए उठाए कदमों का ढिंढोरा पीटा और कहा कि उन्हीं की सरकार ने 'स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप' (एसओजी) में चीटिंग व पेपरलीक पकड़ने के लिए 'चीटिंग सैल' का गठन करवाया था, ''और इसी (एसओजी) की जांच में ही पेपरलीक के बारे में खुलासे हो रहे हैं और आरोपी पकड़े जा रहे हैं। परन्तु सत्य यह है कि एस.आई. भर्ती परीक्षा- 2021 में हुई व्यापक पेपरलीक को लेकर 10 एफ.आई.आर.-2021 में ही दर्ज करली गई थी, पर यह मामला एसओजी को जांच के लिए नहीं भेजा गया था। गहलोत सरकार के दौरान ही व्यापक पेपरलीक को लेकर छात्रों और अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की गुहार करी थी, परन्तु राज्य सरकार ने ऐसा नहीं किया और आरपीएससी द्वारा लिखित परीक्षा रिज़ल्ट 24 दिसम्बर 2021 को जारी कर दिया गया, और फिर शारीरिक परीक्षा का रिज़ल्ट 11 अप्रेल 2022 को जारी कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि एसओजी ने इस मामले में 2 एफआईआर जनवरी 2024 और मार्च 2024 में दर्ज की थी, यानि वर्तमान सरकार में ही इस मामले की जांच एसओजी में पहुंची थी और जैसा गहलोत कह रहे हैं, उसके विरूद्ध, इस मामले की जांच वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हुई है उनकी सरकार के कार्यकाल में नहीं। वर्तमान सरकार के दौरान ही एसओजी द्वारा की गई जांच के पश्चात ही 13 अगस्त 2024 को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वी.के. सिंह, ने रिपोर्ट जारी की थी कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 की परीक्षा प्रक्रिया में गोपनीयता और पारदर्शिता भंग की गई थी जिस वजह से परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए। उनकी जांच से यह भी सामने आया था कि परीक्षा से एक महीने पहले ही पेपरलीक हो गया था, इसका विस्तार बहुत अधिक है, यह जान पाना मुश्किल है कि कौनसा अभ्यर्थी चीटिंग करके चयनित हुए हैं और कौन नहीं।

यह भी उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि आरपीएससी सदस्यों को परीक्षा प्रक्रिया में त्रुटियों के बारे में अच्छे से जानकारी थी, इसलिए इतने व्यापक स्तर पर अंजाम दिया जा सका। अदालत ने कहा है कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान कई परीक्षा केन्द्रों पर बायोमैट्रिक सिस्टम नहीं थे, जो डमी कैडिंडेट को परीक्षा में भाग लेने से रोकने में अहम् भूमिका निभाते हैं। कई केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, कई पाइवेट स्कूलों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया जहां से पेपरेलीक किया जा सकता था, और पूर्व में हुआ भी था। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा अधिकारी नहीं थे और सुरक्षा अधिकारियों को अपनी पोस्टिंग के बारे में परीक्षा कार्यक्रम से बहुत पहले ही जानकारी दे दी गई थी, जिससे परीक्षा की गोपनीयता भंग हो गई। अदालत ने कहा कि आरपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में पारदर्शिता नहीं थी कि किस अभ्यर्थी को अंक दिये जा रहे थे और कैसे परीक्षा केन्द्र चयनित किये जा रहे थे।

गहलोत ने अपने बयान में इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं दी अगर आरपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं की प्रक्रिया में त्रुटियां स्पष्ट थीं तो उनकी सरकार ने उन्हें दूर करने के लिए क्या कदम उठाए थे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

UEM
श्रद्धावान लभते ज्ञानम्
UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Good Education, Good Jobs

University of Engineering & Management

IEM - UEM Group | Jaipur

IEM & UEM Institutions are Founded and Managed by IITians and Majority of Faculty are IITians

INDIAN UNIVERSITY RATINGS QS I-GAUGE PLATINUM & DIAMOND | BEST COLLEGES OF INDIA 2024 INDIA TODAY | Times Higher Education Impact Rankings 2024 | GU GLOBAL UNIVERSITY RANKINGS | nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK | SHALBY ACADEMY | AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION | UGC | AICTE APPROVED | NAAC ACCREDITED | AIU MEMBER | BOARD OF APPRENTICESHIP TRAINING (NORTHERN REGION)

UEM Jaipur is Ranked in The Top Position in North India under Institutions Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

Industry Associated Dual Degree Program

CSE DATA SCIENCE - SAS | CSE CLOUD COMPUTING & VISUALIZATION | BBA DIGITAL BUSINESS - IIDE | BBA IN MEDIA MANAGEMENT

"Students may opt for Dual Degree Programs - for example, a student may select Civil Engineering as major degree with CSE as minor degree or vice-versa"

Scholarships UPTO 100%

for Rajasthan Girls Student

100% FEE WAIVER		95% OR ABOVE IN (10+2)
75% "	"	80% OR ABOVE IN (10+2)
50% "	"	75% OR ABOVE IN (10+2)
25% "	"	70% OR ABOVE IN (10+2)

- SC-ST Scholarship (as per Government Rules)
- Scholarship for IEMJEE Candidates
- Scholarship for Sports Candidate
- Scholarship for Rajasthan Girl Students

₹7 CRORES + WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED | ₹72 LPA HIGHEST ANNUAL SALARY OFFERED | 800+ Research Paper Published | 40+ Design Patents Granted | 600+ Patents Published

B.TECH | M.TECH | BBA/MBA | BCA/MCA | BPT/MPT | POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA

Ph.D Admission Notification 2025-26

Eligibility and Admission criteria as per the UGC Guideilnes & Rgulations

Applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for the Ph.D Programme in the following disciplines.

Scan QR Code for Registration

- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Civil Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Management
- English
- Physics
- Chemistry
- Mathematics

CENTRE FOR FOREIGN LANGUAGES

German | French | Japanese
Mandarin (Chinese)

Placements at UEM JAIPUR Continue till the last willing student is Satisfactory Placed

All students of 2025 passout batch received Job Offers

80% Students got Multiple Job Offers

STUDENTS PLACED **2863+** | JOB OFFERS **3895+**

645+ COMPANIES VISITED

AWARDS & ACHIEVEMENTS OF UEM JAIPUR

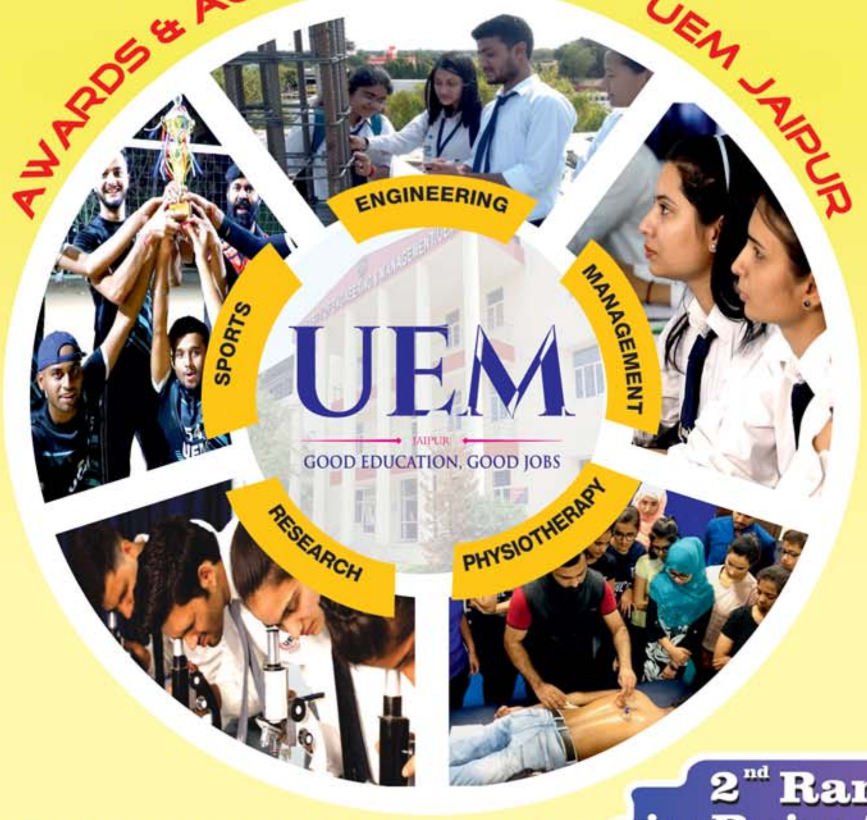

PARTICIPATE IN OFFLINE IEMJEE 2025 EXAM

2nd Rank in Rajasthan by The Prestigious Times Engineering Ranking Survey 2025

Academic Partners

tcs TATA CONSULTANCY SERVICES | IBM | sas | IIDE THE DIGITAL SCHOOL | CAMBRIDGE

Foreign University Collaborations

UNLV | 岩手県立大学 | RENNES SCHOOL OF BUSINESS | GIIM | Brunel University London | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY

More than 18000+ Certification

HARVARD BUSINESS SCHOOL | coursera Education for Everyone | Linked in Learning | Infosys Springboard | CAMBRIDGE | IBM | edX

Study Abroad Program for Meritorious Students
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE

5 Industry Established Labs

Leading University for 6G Projects, Govt. of India

APPLY ONLINE: www.uem.edu.in

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, 6 Kms. from Chomu on Sikar Road, Jaipur-303807 (Rajasthan)

9887313330, 9887933330
9887413330, 9887433330